दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 118 मुरादाबाद, 18 August 2023 (Friday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति बोलीं- बढ़ते नशे का सेवन है चिंता का विषय, माई बंगाल, एडिक्शन फ्री बंगाल का शुभारंभ

राष्ट्रपति ने कहा, भारत को नशा मुक्त बनाने के कार्यक्रम में हिस्सा लेकर मुझे संतोष का अनुभव हो रहा है। मैं नशामुक्त भारत के अंतर्गत माई बंगाल, एडिक्शन फ्री बंगाल विशेष परियोजना शुरू करने के लिए प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को बधाई देती हूं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा है कि हम सभी स्कूलों और कॉलेजों में बढ़ते नशे के सेवन को लेकर चिंतित हैं। बच्चे और युवा हमारे सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति हैं। जो समय और ऊर्जा अपने भविष्य के नींव को मजबूत करने में लगाना चाहिए, उस समय केवल एक लत के कारण नष्ट कर रहे हैं। हमारे शिक्षण संस्थान, मंदिरों के समान होते हैं। सभी शिक्षण संस्थानों में काउंसिलिंग, विचार-विमर्श और अन्य गतिविधियों से पता लगाना चाहिए कि विद्यार्थी कहीं किसी गलत दिशा में तो नहीं जा रहे हैं। अगर कहीं ऐसा दिखता है तो तुरंत उस पर कार्य करना चाहिए। वे कोलकाता के राजभवन में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित %नशा मुक्त भारत अभियान% के तहत %माई बंगाल, एडिक्शन फ्री बंगाल% अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।राष्ट्रपति ने कहा, भारत को नशा मुक्त बनाने के कार्यक्रम में हिस्सा लेकर मुझे संतोष का अनुभव हो रहा है। मैं नशामुक्त भारत के अंतर्गत माई बंगाल, एडिक्शन फ्री बंगाल विशेष परियोजना शुरू करने के लिए प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को बधाई देती हूं। मैं इस कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने के लिए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनद बोस की प्रशंसा करती हूं। मैंने ब्रह्मकुमारी संस्था के आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों को करीब से देखा है। यह संस्था आज एक वैश्विक संगठन का रूप ले चुकी है, जो विश्व के करीब 140 देशों में सामाजिक जनसमस्या के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक शसक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, आज जिस समस्या की समाधान के लिए अभियान शुरू किया गया है, वह अत्यंत गंभीर है। नशीले पदार्थों के सेवन की समस्या समाज के हर वर्ग में अपनी जड़ें तक पहुंच चुकी है। नशीले पदार्थों का सेवन आज के समय में समाज और देश के लिए चिंता का विषय है। इसके अंतरराष्ट्रीय आयाम भी है। हमारे युवा इन व्यसनों के कारण जीवन में सही दिशा का चुनाव नहीं कर पा रहे हैं। यह अत्यंत चिंताजनक है और इस विषय में सभी मोर्चों पर काम करने की जरूरत है। यह संतोष की बात है कि ब्रह्म कुमारी जैसी संस्थाएं ऐसी विषय पर गंभीरता से विचार-विमर्श करती है। इसके समाधान के लिए बड़े पैमाने पर कार्य भी कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा, यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में लगभग तीन करोड़ लोग ड्रग्स के कारण होने वाले डिस-ऑर्डर के शिकार हैं। हमारे युवाओं में जिस तेजी से नशे का सेवन बड़ रहा है, इस पर चिंता होना स्वाभाविक है। लेकिन यह समय केवल चिंता का नहीं है बल्कि चिंतन का और समाधान की ओर तेज गति से बढ़ने का समय है। आध्यात्मिक चेतना, चिकित्सा, सामाजिक एक जुटता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के द्वारा सुधार लाया जा सकता है। ड्रग्स डिमांड में कमी लाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें नेशनल एक्शन प्लान के द्वारा ड्रग्स डिमांड रिडक्शन के माध्यम से ड्रग्स एडिक्शन की शिक्षा, जागरूकता, उपचार और रिहेब सेंटर के क्षमता निर्माण पर काम कर रही है। इसके अंतर्गत देश के अलग-अलग हिस्सों में नशामुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। सामाजिक बदलाव के लिए लोगों की मानसिकता में परिवर्तन लाना आवश्यक है। इसके लिए आध्यात्मिक अत्यंत प्रभावशाली माध्यम है। इस दिशा में ब्रह्मकुमारी द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान से व्यसनों से प्रभावित लोगों को जागरूक करने में सहयोग होगा। और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, व्यसन स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही साथ ही इससे कई अन्य तरह की बीमारी उत्पन्न होती है। आध्यात्मिक रूप से इनसान कमजोर हो जाता है। मानव चरित्र पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। इसका परिवार के आर्थिक स्थिति पर भी बुरा असर पड़ता है। मैं सभी युवाओं और उनके मित्रों से भी कहना चाहूंगी, अगर आपका कोई दोस्त नशे को अपना रहा है तो उसके इस आदत के बारे में उसके परिवार वालों को बताएं। उसके इस आदत को छुड़ाकर ही नहीं बल्कि सामने लाकर आपने अपने सच्चे मित्र होने का फर्ज निभा सकते हैं। आप सब जानते हैं, नशामुक्त कार्यक्रमों का आयोजन स्कूलों और कॉलेजों में भी चलाया जाता है। हमें उस दिशा में जाना है, जो हमेशा रहता है। जहां सच्चा सुख मिलता है, हमें वहां जाना है। जो सुख और जो नशा हमेशा रहता है, हमें उस दिशा में जाना है यानि वह है आध्यात्मिक रास्ता। यह आध्यात्मिक रास्ता सबसे अच्छा रास्ता है। जो लोग नशे का सेवन करते हैं, उनसे मेरा अनुरोध है कि नशे की लत से अपना जीवन बर्वाद करने मत दीजिए। राष्ट्रपति ने कहा, अगर आप किसी तरह के तनाव में हैं, तो आप अपने परिवार, अपने दोस्तों या किसी व्यक्ति या फिर अपने आसपास किसी संस्था से बात करें। कोई समस्या ऐसी नहीं होती, जिसका आप अपने इच्छा शक्ति से सामना नहीं कर सकते। नशे की लत को बिल्कुल संभव है। आज से ही नशा छोड़ने का प्रयास शुरू कर देना चाहिए। आपको सफलता जरूर मिलेगी। आपके नशे का फायदा कोई असामाजिक तत्व उठा रहे हैं। ड्रग्स खरीदने के लिए दिए गए पैसे अपराधिक कार्यों में भी होते हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि जो नशे के आदि हैं, वे नशा छोड़कर समाज और देश हित में इस बुरे लत से बाहर निकलेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा, हम सभी स्कूलों और कॉलेजों में बढ़ते नशे के सेवन को लेकर चिंतित हैं। बच्चे और युवा हमारे सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति हैं। जो समय और ऊर्जा अपने भविष्य के नींव को मजबूत करने में लगाना चाहिए, उस समय केवल एक लत के कारण नष्ट कर रहे हैं। हमारे शिक्षण संस्थान, मंदिरों के समान होते हैं। सभी शिक्षण संस्थानों में काउंसिलिंग, विचार-विमर्श और अन्य गतिविधियों से पता लगाना चाहिए कि विद्यार्थी कहीं किसी गलत दिशा में तो नहीं जा रहे हैं। अगर कहीं ऐसा दिखता है तो तुरंत उस पर कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा, आध्यात्मिक ही सोई हुई चेतना को जगाता है। मनुष्य को सकारात्मक जीवन जीने की कला सिखाता है। अध्यात्म के द्वारा मनुष्यों को उसके आंतरिक शक्तियों का साक्षात्कार करता है। इसलिए इसे जिंदगी में अपनाना चाहिए। सब मिलकर भारत को एक स्वास्थ्य और सशक्त भारत बनाने की दिशा में काम करें। इस मौके पर राज भवन में राज्यपाल सीवी आनंद बोस, पश्चिम बंगाल की मंत्री श्रीमती शशि पांजा, ब्रह्म कुमारी की बीके कानन, ब्रह्मकुमारी की मोटिवेशनल स्पीकर सुश्री वीके शिवानी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहें अधिकारी, हो त्वरित निस्तारण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं को सुना और उनके निस्तारण के लिए आदेश दिया। उन्होंने 220 लोगों की समस्याओं को सुना।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। गुरुवार को अपने राजकीय आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आम जन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 220 जन की उपस्थिति रही, मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण कराना उनकी प्रतिबद्धता है। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत भी दी कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

घोसी में नामांकन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक, सामने आई ये वजह

मऊ में समाजवादी प्रत्याशी सुधाकर सिंह के नामांकन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक हो गई। जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। घोसी विधानसभा उप चुनाव में समाजवादी प्रत्याशी सुधाकर सिंह के नामांकन के दौरान गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुधाकर सिंह के नामांकन के दौरान समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष को अंदर भेजने को लेकर सपा कार्यकर्ता और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई।सपा कार्यकर्ताओं की मांग थी कि जिस प्रकार से भाजपा जिलाध्यक्ष भाजपा प्रत्याशी के साथ नामांकन कक्ष में गए थे। उसी प्रकार से सपा जिलाध्यक्ष को भी जाने दिया जाए। लेकिन तीखी नोकझोंक के बाद भी पुलिस ने सपा जिलाध्यक्ष को नामांकन के लिए अंदर नहीं जाने दिया। जिसके बाद अधिकारियों समझाने पर मामला शांत हो सका।

बरेली में ग्रामीणों का हंगामा: सड़क पर छुट्टा पशु खड़े कर पशुधन मंत्री का रास्ता रोका, SDM से धक्कामुक्की

बरेली के सिरौली क्षेत्र में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह के कार्यक्रम से पहले बृहस्पतिवार को हंगामा हो गया। गांव पिपरिया उपराला में ग्रामीणों ने छुट्टा पशुओं को सड़क पर खड़ा कर पशुधन मंत्री का रास्ता रोक दिया। कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह और अपर मुख्य सचिव डॉ. रजनीश दुबे आंवला तहसील के गुरगांवा में पशु पॉली क्लीनिक का भूमि पूजन करने जा रहे थे, लेकिन उन्हें ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह और प्रमुख सचिव पशुधन विभाग अवनीश दुबे आंवला तहसील के गुरगांवा में पशु पॉली क्लीनिक का भूमि पूजन करने जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उन्हें ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने छुट्टा पशु सड़क पर खड़े कर उनका रास्ता रोक दिया। मंत्री और प्रमुख सचिव का काफिला करीब 40 मिनट तक फंसा रहा। उन्होंने ग्रामीणों को समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया, तब जाकर ग्रामीण शांत हुए। इसके बाद सड़क से छुट्टा पशुओं का हटाया गया। इससे पहले ग्रामीणों की एसडीएम से नोकझोंक हुई। एसडीएम पर अभद्रता करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों का गुस्सा देख एसडीएम वहां से चले गए। इसके बाद आंवला के नायब तहसीलदार और सीओ को भी ग्रामीणों के गुस्से का सामना करना पड़ा। आंवला तहसील के गुरगांवा में पशुओं के इलाज के लिए 9.14 करोड़ रुपये की लागत से पॉली क्लीनिक बनना है। यहां पशुओं को 24 घंटे उपचार मिल सकेगा। इसका शिलान्यास करने पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. रजनीश दुबे के साथ गुरगांवा जा रहे थे। बताया जा रहा है कि मंत्री के कार्यक्रम को लेकर सफाईकर्मियों की सड़क किनारे ड्यूटी लगाई थी ताकि पशुपालन मंत्री को छुट्टा पशु न दिख सकें। पिपरिया उपराला में ग्रामीणों ने किया हंगामा ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई तो आक्रोश फैल गया। बृहस्पतिवार सुबह गांव पिपरिया उपराला में ग्रामीणों ने सैकड़ों छुट्टा पशुओं को लाकर सड़क पर खड़ा कर दिया। इसी मार्ग से पशुधन मंत्री का काफिला गुजरने वाला था।

इसकी जानकारी होने पर एसडीएम आंवला और इंस्पेक्टर सिसौली वहां पहुंच गए। आक्रोशित ग्रामीण एसडीएम से भिड़ गए। धक्कामुक्की हुई। ग्रामीणों का आक्रोश देख एसडीएम वहां से चले गए। कुछ देर बाद पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह और अपर मुख्य सचिव पशुपालन का काफिला आया तो सड़क पर छुट्टा पशुओं को खड़ा देख सबके होश उड़ गए। ग्रामीणों ने मंत्री के सामने छुट्टा पशुओं की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। मंत्री धर्मपाल सिंह ने ग्रामीणों को समझाया। उन्हें आश्वासन दिया कि इलाके में ग्रामसभा की जमीन देख गोआश्रय स्थल बनवाकर समस्या से निजात दिलाई जाएगी। मंत्री के आश्वासन के बाद ग्रामीण माने। इसके बाद छुट्टा पशु सड़क से हटाए और मंत्री का काफिला गुरगांवा के लिए रवाना हुआ।

संपादकीय Editorial

Dream of 'developed nation'

Addressing the nation from the ramparts of the Red Fort, Prime Minister Modi set two important goals and announced them. One, India will be a 'developed nation' in 2047, 100 years after independence. Second, the decisions that will be taken and work done in the next 5 years will have an impact for 1000 years. In view of the goals, the Prime Minister sought help and blessings from the people of the country. Little effort was left to ask for votes. This is purely a political call. Prime Ministers like Jawaharlal Nehru, Indira Gandhi and Atal Bihari Vajpayee did not use the Red Fort as a political platform. It was also surprising when Prime Minister Modi claimed that he would come again in 2024 and enumerate his achievements from the Red Fort. The historic Red Fort and 15 August, Independence Day are symbols of the 'National Festival'. From there the Prime Minister's national address should not be 'political'. Prime Minister Modi has fixed the first target period of 24 years. Should the country not question him or his successor prime ministers for so long? The second target is of the year 3023. Can the world and global equations be imagined till then? Five year plans have been in practice in India. After that, the Prime Minister, the cabinet and the concerned experts review what are the achievements of the schemes. Or the goals have lagged behind, then what could be their reasons and solutions? The Prime Minister's 3023 target and agenda do not seem meaningful. Who will be his accountability and responsibility?

Of course, even the target of 2047 seems 'dreamy', as the World Bank currently puts India in the 'lower middle income' category, as our per capita national income is very low globally. The meaning of becoming a 'developed nation' is that every person, citizen must get 'economic opportunities'. Arguably, we have the largest population under the age of 30 in the world. That is also our strength. That power can create a 'developed economy' when the issue of unemployment is addressed seriously. Unemployment in India is a worrying concern and its national rate is around 8 per cent. The conditions are very bad in the states. Exams for government recruitments keep getting postponed. Even if selected, the appointment letter and joining are put on hold. The appointment letters that are being distributed these days are like 'cumin in the camel's mouth'. Thousands of workers are seen protesting on the streets as the payment of their salaries hangs in the balance. How can such an India become 'developed' in 2047 or even after that? At least the Prime Minister should address the anomalies of the current system. The female labor force participation rate in India is expected to be around 24 per cent in 2022, while the global average is around 47 per cent. The Prime Minister has announced from the Red Fort that he will make 2 crore women 'Lakhpati' and strengthen rural self-help groups. This is the foundation of any developed nation, which has just been announced to be built. We are neither pessimistic nor skeptical of the Prime Minister's goals, but worried about the hollow foundation, hence asking questions. The Prime Minister has also announced 'Vishwakarma Yojana'. The craftsmen, masons, goldsmiths etc. who work with hands and tools will be helped under this scheme. Were they not covered in the existing schemes of the country? Was Mudra loan not available to them? Some such questions are regarding bank loan for home. Nothing will be achieved just by giving some rebate in interest. The government should put pressure on the banks to give loans to citizens above 60 years and fix easy installments.

'Mountain' of rain broke down on Himachal: Rising rivers, creaking mountains, what kind of development have we done

According to experts, the mountains have been cut at an angle of 90 degrees to make a four-lane highway. At the same time, there are no trees on the sides of the roads that have been built. Not only this, many huge trees have even been cut. On the other hand, small and wooden houses are no longer built in the mountains as before. Rather, huge buildings are now being built here. The hill state of Himachal Pradesh is again in news these days for incidents like rains, cloud bursts and landslides. In Himachal Pradesh alone, about 71 people have lost their lives so far in landslides and cloudbursts in the last three days. Rains wreak havoc in Himachal every year. Mountains move and cases of landslides come to the fore. In such a situation, there is a loss of one thousand crore rupees on an average due to rain alone, but not only this, but a large number of people's lives also end. In such a situation, the question is bound to be that whether nature has taken such a fierce form that humans are also collapsing big mountains like cards? Or is the real reason behind this exploitation of mountains in the name of development? Collapsing development in Himachal- Himachal Pradesh has seen rapid development in the last decade, but increasing urbanization has been at the center of development. Concrete jungles have come up, cities have expanded, mountains have been exploited for new construction and natural resources have been destroyed on a large scale. Mountains have been hollowed out by cutting down trees. Obviously, the aspirations of development in this forest area surrounded by inaccessible hilly area and uncultivated wealth have today shown us the scene of devastated Himachal Pradesh in this form. At the same time, it is seen that the roads have been widened at many places and the roads have also been doubled (four-lane highways have been made) in many places, so that the vehicles can go to the mountains and come back faster. But is it necessary? And if so, have adequate arrangements been made for the same? If you go towards Shimla from Parwanoo (Border of Himachal), you will find four-lane highway built till Solan and beyond that means both side roads will be available. Due to this, traffic jams are reduced and vehicles can easily pass in the mountains. But if you ever go here, you will definitely keep your eyes on the mountains above. Here you will find written on them that 'stones can fall from above, walk carefully'. In such a situation, it is visible that the government has done development, but has left the common lives in their condition because when stones will fall from above, neither the government will be present there nor the big contractors who build the road. If anyone will be present, then the local people or tourists there. Many people even believe that there is no need for double sided roads in the mountains, because it digs the mountains and the result comes in front of people in the form of landslides. According to experts, the mountains have been cut at an angle of 90 degrees to make a four-lane highway. At the same time, there are no trees on the sides of the roads that have been built. Not only this, many huge trees have even been cut. On the other hand, small and wooden houses are no longer built in the mountains as before. Rather, now huge buildings are being built here and for this also mountains were cut. Houses, restaurants and big hotels are usually built in these. Is development necessary by playing with nature? Governments are building big tunnels on the mountains and many have already been built, roads are being doubled or widened and overall development is taking place. Blasting is done to make the tunnel and many heavy machines are used, which causes vibrations on the mountains. But is development necessary by playing with nature? After all, what kind of development is this which is intent on snatching the lives of the common people, because according to the earlier people, there was neither much landslide nor land subsidence on the mountains. But now all this is happening and somewhere the reason for this is the cutting of mountains without any reason.

The weavers of Aluda village of Rajasthan made the first khadi tricolor of independent India.

In the village of Aluda where the first khadi fabric of independent India was prepared, once more than 200 families used to prepare khadi by hand. Today only one or two hand weaving machines are left in the village. On August 15, 1947, the first Prime Minister Pandit Jawaharlal Nehru proudly hoisted the national flag tricolor on the ramparts of the Red Fort in Delhi. The khadi fabric of that tricolor flag was prepared by weavers Chauthmal, Shambhudayal, Nangram and Revdmal in Aluda village of Dausa district of Rajasthan. Tatsaheb and Deshpande had taken this khadi cloth from Aluda village to Govindgarh, where freedom fighters Hiralal Shastri, Manikya Lal Verma etc. gave it the shape of the national flag tricolor. The tradition has been kept alive by some weavers of Aluda village. However, with the passage of time, a large number of weavers from Aluda village have given up their traditional work after the demand for Khadi decreased. The first flag was prepared in Aluda village – The first khadi cloth of independent India was prepared in Aluda village, where once more than 200 families used to prepare khadi by hand. Today only one or two khadi weaving hand machines are left in the village. Most of the families have been displaced from here and settled in Delhi and other cities. Less than half a dozen families are running their livelihood with the help of Khadi. Most of the weavers have left the original work and adopted other occupations. Khadi cloth may not be being prepared at that level in Aluda village today, but Dausa district has established its identity on a large scale to Khadi. Dausa Khadi Samiti came into existence in the year 1967 after being influenced by Aluda. Today the committee is making khadi cloth for the tricolor flag. Dausa Khadi is recognized not only in the country but also in foreign countries. Hundreds of families from nearby villages are associated with the Dausa Khadi Committee and have been preparing hand made khadi. Rules regarding the national flag- There was a time when there used to be very strict rules in the country regarding the national flag. Only the national flag made of Khadi was allowed to be hoisted. The national flag could be flown only on certain occasions, but Naveen Jindal, the owner of the country's famous Jindal Group, fought a decade-long legal battle over these rules, after which the Flag Code of India was changed. On 23 January 2004, the Supreme Court gave a historic judgment, stating that there is a fundamental right to freely hoist the national flag with dignity and respect within Article 19(1)(a) of the Constitution of India. The new rules allowed the use of cotton, wool, silk, khadi, besides polyester for hand-spun and machine-made flags. Earlier the tricolor was hoisted only after sunrise, but now the national flag can be displayed day and night at home, building or public place in the open for 24 hours. However, even today the size of the national flag is 3:2. In the year 2022, on the 75th anniversary of the country's independence, Prime Minister Narendra Modi appealed for the tricolor campaign at every house, after which people across the country proudly hoisted the national flag tricolor at their homes, offices etc. A similar appeal has been made by Prime Minister Narendra Modi this year as well. Not only are tricolor yatras being taken out across the country, but the national flag is hoisted proudly for 24 hours at public places. By the way, whenever the tricolor is hoisted proudly, the country will definitely remember the four weavers of Aluda village of Dausa, whose hard work made the first khadi tricolor flag of independent India hoisted on the Red Fort.

Dream of corruption free India, Modi government is taking action against every person and organization who hollow the country

The Modi government has also implemented a new online system against corrupt officials. This has increased the speed of action against corrupt bureaucrats. PM Modi once said in clear words that "those who obstruct our efforts to eradicate corruption should pack their bags as the country does not need the services of such officers". On the occasion of Independence Day, Prime Minister Narendra Modi once again said from the ramparts of the Red Fort that evils like corruption, familyism and appeasement are making the country hollow. If India has to become a developed nation, then these evils have to be uprooted. If seen, the root of all the problems of the country is corruption. It is a good thing that by adopting the policy of zero tolerance towards corruption, the Modi government is taking action against every person and organization who are trying to hollow out the country with the termite of corruption. The Modi government is not only cracking down on corrupt politicians to make a 'corruption-free India', but is also continuously taking action against other bribe-taking officials. The government has not only evicted many such corrupt officers who were obstructing the way of democracy and justice by giving them forced retirement, but has also sent many corrupt IAS and IPS officers to jail. There were many scams in the previous Congress-led UPA government. One of them was the coal block allocation scam. Given freedom of action during the Modi government, the CBI probed the coal scam and a Delhi court sentenced three officials, including former coal secretary HC Gupta, to three years in jail. The other two officials sentenced by the court are KS Kropha, the then joint secretary in the ministry of coal, and KC Samaria, the then director. The court sentenced the other convicted persons, Vikas Patni, MD of Vikas Metals and Power Limited (VMPL) and its authorized signatory, Anand Malik, to four years in jail. The CBI had filed chargesheets in connection with irregularities in 40 cases of coal block allocations during UPA-I and UPA-II regimes. This is just a hallmark. In the last nine years, the action against the corrupt elements of the administrative system is reaching the end because the investigating agencies have got a green signal against such officers from Prime Minister Narendra Modi himself. Recently, the Prime Minister had said in a program of the Central Vigilance Commission (CVC) that there is no need to be defensive about all the organizations and agencies like CVC which take action against corruption and corrupt people. If you work for the betterment of the country, then there is no need to live in guilt. It is our job to get rid of the problems being faced by the common people of the country. Modi government has also implemented a new online system against corrupt officials. This has increased the speed of action against corrupt bureaucrats. PM Modi once said in clear words that "those who hinder our efforts to eradicate corruption should pack their bags, because the country does not need the services of such officers". This thinking of the Prime Minister is acting as a catalyst for the investigating agencies to take action against the corrupt officials. This is the reason why the central investigative agencies are not sparing the corrupt anywhere. UPA government can be gauged from the observation made by the Supreme Court that 'CBI has become like a caged parrot, the language of its master'.

मकान व दुकान बेचने के नाम पर ठगी के आरोपी दंपति पर केस

मुरादाबाद- व्यापारी ने पड़ोसी दुकानदार दीपक गुप्ता व पत्नी पारुल के खिलाफ धोखाधड़ी कर 9.5 लाख रुपये ठगने के आरोप में केस दर्ज कराया है। दंपति पर मकान व दुकान बेचने के नाम पर पैसे ठगने का आरोप है। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने कार्रवाई की है। सागर सराय निवासी हिमांशु सिंह ने तहरीर में बताया कि 17 सितंबर 2022 को वह अपनी दुकान में मौजूद था। तभी सागर सराय जाटव बस्ती निवासी दीपक गुप्ता पत्नी के साथ वहां आया। कहा कि हमें पैसों की बहुत जरूरत है। इसके लिए वे अपना मकान व दुकान बेच रहे हैं। हिमांशु ने मकान व दुकान का सौदा 30.50 लाख रुपये में कर लिया और 1.5 लाख रुपये बैनामा के रूप में दिए। इसके बाद 13 अक्टूबर 2022 को 8 लाख रुपये स्टाम्प कर दे दिए। 11 माह बाद बैनामा कराना तय हुआ। हिमांशु को पता चला कि दंपति ने इस दौरान किसी और को भी संपत्ति का बैनामा कर दिया। 12 मार्च 2023 को पीड़ित ने अपने पैसे वापस मांगे तो दंपति ने थाने में पैसे देने के लिए समझौता कर लिया। लेकिन, पैसे नहीं दिए। पांच जून को हिमांशु को दीपक मिला। जब पीड़ित ने उससे अपने पैसे मांगे तो उसने उसके साथ गाली-गलौज की। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दंपति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बहुत बाद में आया इस्लाम, सब हिंदू से ही कन्वर्ट हुए....गुलाम नबी आजाद के बयान पर सपा सांसद का पलटवार

मुरादाबाद-समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. एसटी हसन ने जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें गुलाम नबी आजाद ने कहा था कि मुसलमानों से भी ज्यादा पुराना हिंदू धर्म है। इस्लाम 1500 साल पहले आया है और सभी हिंदू से कन्वर्ट हुए हैं। सपा सांसद हसन ने कहा कि इसमें नई बात क्या है? इस्लाम की तारीख 1450 साल पुरानी है। लेकिन, इस्लाम के उसूल हजारों साल पुराने हैं। जब लगातार पैगंबर आए आए थे, इस्लाम की पहचान तो 8000 साल पुरानी बातों से भी साबित हुई है। सपा सांसद ने कहा कि हां, इस्लाम मुकम्मल 1450 साल पहले हुआ है, यह बात बिल्कुल सही है। सपा सांसद ने कहा वो इतने बड़े ज्ञानी नहीं हैं कि ये बता दें कि 1500 साल पहले क्या था और क्या नहीं था? गुलाम नबी आजाद ने कहा कि 10-20 मुसलमान बाहर से आएं होगे और वह आक्रमणकारियों की फौज के साथ थे। बाकी तो सभी मुसलमान हिंदू धर्म से ही कन्वर्ट हुए हैं। कहा कि इसकी सबसे मिसाल हमारे कश्मीर में है। कश्मीर में 600 साल पहले कौन मुसलमान था? सारे कश्मीरी पंडित थे। सब कन्वर्ट होकर मुसलमान बन गए। हमारे हिंदू भाई शव को जलाते हैं, राख को नदी में प्रवाहित करते हैं। हमारे यहां मुसलमान मरने के बाद जमीन के अंदर दफन होता है। हम सभी का शरीर तो इसी भारत माता की मिटटी में मिल जाता है, तो कहां हिन्दू कहां मुसलमान। सब यहीं मिटटी में मिल जाते हैं। सपा सांसद ने कहा कि गुलाम नबी आजाद कह रहे हैं कि कश्मीर में 600 साल पहले एक भी मुसलमान नहीं रहता था तो यह तो सबको पता है कि मुसलमान रहता कहां था सभी लोग कन्वर्ट हुए हैं।

जामिया कासिमिया दारूल उलूम जकरिया ट्रांसपोर्ट नगर मुरादाबाद एक गरिमामय सभा का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद - जामिया कासिमिया दारूल उलूम जकरिया ट्रांसपोर्ट नगर, मुरादाबाद उत्तर प्रदेश का एक प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थान है, जिसमें जामिया के संस्थापक मौलाना मुहम्मद सालीम साहब कासमी के संरक्षण में जश्न-ए-आज़ादी के शीर्षक पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक गरिमामय सभा का आयोजन किया गया। इसके बाद जामिया के संस्थापक ने अपने विशेष संबोधन मे देवबंद के विद्वानों और उन सैनिकों का उल्लेख किया जिन्होंने भारत और सामान्य रूप से भारत के लोगों की स्वतंत्रता के लिए बलिदान दिया,

उन्होंने कहा कि अगर हिदुस्तान कि आज़ादी में उल्मा ए किराम भाग न लेते तो भारत कि आज़ादी का ख्वाब कभी भी पूरा नही होता, कोई स्वतंत्रता आंदोलन नहीं चलती, बलाकोट आंदोलन का अस्तीत्व नही होता, रेशमी रूमाल आंदोलन, खिलाफत आंदोलन और इसी तरह कई और भी आंदोलन है. सरांश यह है कि अगर मुसलमान विशेष रूप से मुसलिम विद्वानों ने स्वतंत्रता आंदोलन मे भाग न लिया होता तो हम सब आज आज़ादी का जश्न न मना पाते.इसी तरह उन शहीदों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने भारत को आज़ादी दिलाने के लिए अपनी संपत्ति, परिवार और बच्चों का बलिदान दिया। शहीदों की जो मौत हैं वो कौम की हयात हैं- लहू जो हैं शहीदों का वोह कौम की जकात हैं इसके बाद जामिया के अध्यापक मौलाना मोहम्मद तौफीक साहब कासमी ने अपने विशेष संबोधन में स्वतंत्रता के इतिहास और उसकी वास्तविकता तथा वर्तमान युग में स्वतंत्रता के महत्व तथा इतिहास के आलोक में अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। जिसमें उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने आजादी का बिगुल फूंका था असल में वे मुसलमान ही थे, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ फतवा जारी किया था वे मुसलमान ही थे, जिन्होंने समय-समय पर अपने प्यारे देश भारत की आजादी के लिए तरह-तरह के आंदोलन चलाए। जिन्होंने बहुत साहस के साथ अपने जीवन का बलिदान दिया था । उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमने कल भी अपने प्यारे देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी

और आज भी समय आने पर हम अपनी सेवाएँ देने से पीछे नहीं हटेंगे। हम कल भी देश के प्रति वफादार थे और आज भी हैं और हम अपनी आखिरी सांस तक देश और कौम के प्रति वफादार रहेंगे। इस अवसर पर मदरसे के विशाल प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और मदरसे के कार्यवाहक प्रमुख मौलाना मुहम्मद आलिम साहब कासमी द्वारा ध्वज फहराया गया और अवसर के अनुसार भारतीय राष्ट्रगान और विभिन्न अन्य गान प्रस्तुत किये गये। और राष्ट्रीय भाईचारे और शांति के लिए प्रार्थना की।

स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद मौलाना आज़ाद मुस्लिम गर्ल्स इंटर कालिज, कटघर में आज स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया इस पावन अवसर पर प्रबंधक मुफ़्ती आज़म द्वारा झंडा रोहण किया गया साथ ही इस अवसर पर विशेष रंगारंग कार्यक्रम हुए कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष नजमुल इस्लाम, उप प्रबंधक नाज़िश सिद्दीकी, सदस्य परवेज़ कमर, तौसीफ कुरैशी आदि अतिथि उपस्थित रहे। आज छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। प्रधानाचार्य श्रीमती रहमत बी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद अपने सम्बोधन में स्वतंत्रता दिवस का महत्त्व बताया तथा सभी प्रतिभागियों कि सराहना करते हुए अतिथियों का अभिवादन किया।

गत वर्षों की तरह इस साल भी शहीद ए वतन नवाब मज्जू खां के मज़ार पर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद - हर साल की तरह इस साल भी डी0एम मुरादाबाद श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह जी,कमेटी के अध्यक्ष श्री वकी रशीद, नवाब साहब पौत्र अदनान फारूकी,ए डी एम सिटी ज्योति सिंह, सुहैल खान कमेटी महासचिव, ने चादर पोशी की और फातिहा का एतेमाम किया गया! कमेटी के अध्यक्ष वकी रशीद ने मजार पर आए लोगों को मिठाईयां वितरित की इस मौके पर अध्यक्ष जी ने नवाब मज्जू खान के नाम पर एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी व स्पोर्ट स्टेडियम बनाने की मांग की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से.. सुहैल खान,अतहर अंसारी, सहने अली शानू, सैय्यद राशिद अली, फ़िरोज़ खान, कशिश वारसी, सलाउद्दीन मंसूरी,जाबर खान,ज़की राईनी, हाफिज इशरतुल्लाह,परवेज़ खान, नूर क़ादरी, हाफ़िज़ साहब, अनीसुद्दीन कातिब, क़ाज़ी सौलत हुसैन,जुनैद खान,रहीमुद्दीन खां,आदि लोग शामिल रहे! इस मोके पर कमेटी के अध्यक्ष वकी रशीद ने पुरे मुल्क को योमे आज़ादी की मुबारकबाद पेश की!

खतरे के निशान के करीब पहुंची रामगंगा नदी, आसपास के लोगों में पानी बढ़ने से डर

मुरादाबाद- पहाड़ी क्षेत्र में बारिश होने से रामगंगा नदी का जलस्तर बढ़त पर है। महानगर में कटघर रेलवे पुल पर रामगंगा नदी खतरे के निशान से 25 सेंटीमीटर दूर है। नदी किनारे आसपास रहने वाले लोगों को पानी बढ़ने से डर सताने लगा है। खेतों तक पानी पहुंच गया। मूंढापांडे में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने से हरपाल नगर गांव के पास कटान हो रहा है। इसे रोकने के लिए बाढ़ खंड विभाग के अधिकारियों ने मौके पर प्रयास शुरू कर दिए। खेतों में पानी भर गया है। सोमवार को खो बैराज से एक लाख 6 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। इसका असर बुधवार को दिखा। पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश से भी नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। पिछले दिनों वारसीनगर मोहल्ले में कई घरों तक पानी पहुंच गया। रसूलपुर नगला में भी घरों में पानी भर गया। बाढ़ के पानी में सांप और दूसरे जहरीले कीड़े आ जाते हैं। इससे जान का भी खतरा बना रहता है। बुधवार को रामगंगा नदी का जलस्तर 190.35 मीटर दर्ज किया गया,जबकि रामगंगा नदी का खतरे का निशान 190.60 मीटर है। नदी का जलस्तर बढ़ने से मोहल्ला बंगलागांव, जामा मस्जिद, लालबाग, वारसीनगर के लोगों को पानी आने का डर सताने लगा है। मूंढापांडे में कोसीनदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है और पानी खेतों में भर गया। इससे किसानों की फसल को काफी नुकसान हुआ है। बाढ़ खंड के सहायक अभियंता सुभाषचंद ने बताया कि बारिश और पानी छोड़ने की वजह से रामगंगा नदी का जलस्तर बढ़ा है। इसके अलावा कोसी नदी का पानी भी बढ़ रहा है। मूंढापांडे क्षेत्र के गांव हरपाल नगर में नदी की धारा कटान कर रही है। इसकी ठोकर को रोकने के लिए इंतजाम किए जा रहे है। पत्थरों की व्यवस्था की जा रही है। जिससे धारा को मोड़ा जा सके।

2024 तक रेलवे में भर्तियों का चलेगा सिलसिला : शिवगोपाल

मुरादाबाद- रेलवे में भर्तियों का सिलसिला शुरू होने वाला है। बोर्ड ने 1.48 लाख पदों के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है। साल के अंत तक इतने ही और पदों पर भर्ती होगी। वर्ष 2024 में 1.5 लाख पदों पर कर्मचारी नियुक्त किए जाएंगे। रेलवे बोर्ड ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। अपने 74वें जन्मदिन समारोह में हिस्सा लेने यहां पहुंचे ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिवगोपाल मिश्र ने बातचीत में यह जानकारी दी। कहा, रेलवे के निजीकरण की दूर-दूर तक संभावना नहीं है। महामंत्री बोले, रेल मंत्री ने यह विषय स्पष्ट कर दिया है। दिल्ली में आयोजित रैली में देश के दो लाख से अधिक कर्मचारी शामिल हुए थे। 30 संगठनों के प्रतिनिधि प्रत्यक्ष रूप से रैली में आए। कर्मचारियों की मांग रेल मंत्री और प्रधानमंत्री तक पहुंच गयी है। हमें खुशी है कि सरकार पेंशन योजना के मुद्दे पर भी रचनात्मक प्रयास कर रही है। टीवी सोमनाथन कमेटी गठित की गई है। केंद्रीय वित्त सचिव को अध्यक्ष बनाया गया है। चार लोगों की कमेटी में कर्मचारियों के व्यापक हित, रेलवे के उत्तरोत्तर विकास सहित विविध पक्षों पर विस्तार से चिंतन कर रही है। कर्मचारी नेता ने रेलवे बोर्ड और उच्च अधिकारियों की वार्ता के आधार पर यह दावा किया कि रेलवे में भर्तियों का पिटारा खुलने जा रहा है। कहा कि बोर्ड ने रिस्ट्रक्चर कमेटी का गठन किया है, जो कर्मचारियों के व्यापक हित के बारे में सोचेगी। विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी प्रोन्नत किए जाएंगे। उनके आवास, सुरक्षा और परंपरागत सेवा पर यह कमेटी अध्ययन करेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कर्मचारी भी आर-पार की लड़ाई को तैयार हैं। बोले, हमने वैलेट के जरिए हड़ताल का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया है। सितंबर, अक्टूबर और नवंबर महीने में हम अपनी शक्ति प्रदर्शित करेंगे। कहा कि हर माह की 21 तारीख को शाखा, मंडल मुख्यालय और रेलवे मुख्यालय पर प्रदर्शन का कार्यक्रम निर्धारित किया है, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र के सभी कर्मचारी हिस्सा लेंगे। हम सरकार को 40 दिन का नोटिस देंगे, अगर पेंशन योजना सहित लंबित मांगों का उचित निराकरण नहीं हुआ तो 40 दिन के अंतराल पर भारत बंद करेंगे। इसके लिए संगठन ने मन बना लिया है। हम सरकार के रचनात्मक प्रयासों का स्वागत करेंगे और अगर कहीं वादाखिलाफी हुई तो भारत बंद से हमें कोई रोक नहीं सकता है। इसके लिए देशभर में कर्मचारी संगठनों को सतर्क कर दिया गया है।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

तोमर परिवार द्वारा 7 दिवसीय श्रीमद् भगवत कथा ज्ञान यज्ञ का समापन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रवीण शर्मा

रायपुर- राष्ट्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह तोमर एवं समस्त तोमर परिवार द्वारा आयोजित 10 अगस्त से शुरु हुई श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति हुई। समापन दिवस की कथा में रायपुर सहित कई अन्य शहरों से कथा सुनने पधारे श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दी। कथा के दौरान 36 कौम सर्वसमाजों के प्रमुख बंधुओं, प्रदेश के अनेकों लोकप्रिय राजनेताओं एवं अनेकों गणमान्य सम्माननीय जन भगवत कथा का अमृत पान करने इस अवसर पर पहुंचे,। कथा के अंतिम दिवस पर वृन्दावन के कथा व्यास श्री राजीव नयन जी महाराज द्वारा सुदामा चरित्र की कथा का रोचक वाचन किया गया, तत्पश्चात् पूर्णाहुति यज्ञ, गीता दान, ब्राह्मण भोज आदि वैदिक कार्यों की पूर्ति क्रमशः की गई। आयोजन के अंतिम चरण में भण्डारे की व्यवस्था की गई थी, जिसमें 11,000 से अधिक आगंतुक

श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया।

भगवत कथा के आयोजक वीरेंद्र सिंह तोमर द्वारा निरंतर रूप से बिरगांव के व्यास तालाब में छठ महापर्व, और रायपुर के महादेव घाट पर खारुन गंगा महाआरती जैसे धार्मिक आयोजन किये जाते हैं,, ऐसे में पावन पुरुषोत्तम मास में श्रीमद् भागवत कथा का यह आयोजन धर्म और समाज के लिए काफ़ी संतोषजनक एवं हितकारी रहा। तोमर ने बातचीत में बताया कि वे आगे भी धर्म और समाज के लिए तन मन धन से लगे हुए हैं और आगे भी ऐसे ही धार्मिक एवं जनसेवा के कार्यों हेतु तत्परता से लगे रहेंगे।

स्वतंत्रता दिवस में रीवा जिले में आन-बान-शान से लहराया तिरंगा

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

देश आजादी की अमृत महोत्सव के रूप में रीवा जिले में हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जिले में आन-बान-शान से तिरंगा लहराया गया। मुख्य समारोह एसएएफ पुलिस परेड मैदान में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने ध्वजारोहण करके परेड की सलामी ली। समारोह में मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री जी के स्वतंत्रता संदेश का वाचन किया। समारोह में शस्त्र बलों ने हर्ष फायर करके राष्ट्रीय ध्वज का अभिवादन किया। समारोह में विशेष शस्त्र बल, जिला पुलिस बल एवं सैनिक स्कूल के दल के सहित 11 दलों ने बैण्ड की मधुर धुन पर आकर्षक परेड की। समारोह में इसके बाद मुख्य अतिथि ने तीन रंग के मनोहारी गुब्बारों को हर्ष स्वरूप मुक्त गगन में छोड़ा। समारोह में कलेक्टर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों वीर शहीदो के परिजनों तथा लोकतंत्र के प्रहरियों का शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। समारोह में

विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने देश भक्ति से ओतप्रोत तथा शासन की विकास योजनाओं को प्रदर्शित करने वाले गीतों और नृत्यों के साथ मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इसके बाद कलेक्टर ने विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य समारोह के साथ-साथ सभी विकासखण्ड मुख्यालयों, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों एवं कार्यालयों में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बाल भारती विद्यालय ने देश भक्ति के गीत तथा मनोहारी नृत्य के साथ विकास योजनाओं को प्रदर्शित किया। सेंट्रल एकेडमी द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में वीरों को नमन करते हुए महालोक निर्माण तथा सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित किया गया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाण्डेन टोला ने लहराए तिरंगा तथा सुरक्षा पब्लिक स्कूल लक्ष्मणपुर ने वंदेमातरम तथा खुशहाल हो भारत गीत गीत के साथ लाड़ली बहना योजना को प्रदर्शित किया। शासकीय कन्या उमावि एसके स्कूल ने लहराओ तिरंगा पूरी शान से गीत के साथ महिला सशक्तिकरण को प्रस्तुत किया। समारोह में ज्योति सीनियर सेकण्डरी स्कूल तथा बाल भारती स्कूल ने भी देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समारोह का समापन पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में आयोजित शस्त्र परेड में एसएएफ नवीं बटालियन को प्रथम स्थान, जिला पुलिस बल को दूसरा स्थान तथा केन्द्रीय जेल को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। बिना शस्त्र के परेड में एनसीसी गर्ल्स टीआरएस कालेज को प्रथम स्थान, एनसीसी कन्या महाविद्यालय को दूसरा तथा एनसीसी टीआरएस कालेज छात्र को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सैनिक स्कूल द्वारा प्रस्तुत परेड में जल सैनिकों को प्रथम, थल सैनिकों को द्वितीय तथा वायु सैनिकों को तीसरा स्थान मिला। शिक्षा विभाग की ओर से शामिल दलों में स्काउट गाइड दल को प्रथम तथा रेडक्रास कन्या को द्वितीय तथा शौर्या दल को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सेंट्रल एकेडमी को प्रथम, एसके कन्या स्कूल को दूसरा तथा बाल भारती स्कूल को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। जनप्रतिनिधिगण, वीर शहीदों के परिजन, पार्षदगण, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में आमजन, विद्यार्थी तथा पत्रकार उपस्थित रहे।

रीवा 15 अगस्त 2023 को होटल सेलिब्रेशन में ध्वजारोहण

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा 15 अगस्त 2023 को होटल सेलिब्रेशन एंड रिसोर्ट में ध्वजारोहण किया गया नियर मानस भवन सेलिब्रेशन होटल के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज्ञा सिंह जी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया और सभी देशवासियों को बधाई दी गई जिसमें प्रमुख रुप से कुंदन शर्मा जी जनरल मैनेजर अरुणेंद्र सिंह व्यवस्थापक पत्रकार आशीष मिश्रा अंबे लाल और समस्त स्टाफ मौजूद रहे इस महान पर्व के अमृत महोत्सव के उत्सव पर सभी स्टाफ को एवं देशवासियों के ढेर सारी शुभकामनाएं दी गई मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज्ञा सिंह जी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया जय हिंद जय भारत वंदे मातरम के नारे लगाए गए

20 साल के युवक ने किया देहदान एवं 19 महीने में सात बार रक्तदान रीवा जिले के लिए गौरव की बात

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा सचिन कुशवाहा उम्र 20 वर्ष ने मीडिया को बताया कि रक्तदान करने से मुझे कोई कमजोरी नहीं महसूस हुई मैं 19 महीने में सात बार रक्तदान कर चुका हूं सचिन कुशवाहा जी ने अपना देहदान मेडिकल परीक्षण के लिए श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा के लिए दान कर दिए हैं अपनी सुरक्षा एवं अपनी स्वेच्छा से बिना किसी दबाव के राजी खुशी मरणोपरांत अपने डेड बॉडी श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा को समर्पित मृत्यु के पश्चात मृत शरीर को श्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा मध्य प्रदेश का हक होगा जिसमें मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का कोई आपत्ति नहीं है इस बात मैं शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया हूं

प्राथमिक विद्यालय धनीपुर मे बड़ी धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस फहराया राष्ट्रीय ध्वज

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

रायपुर-प्राइमरी पाठशाला धनीपुर में स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किए गए राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया गया प्राइमरी पाठशाला की प्रधान अध्यापिका नम्रता सिंह ने स्कूल के बच्चों को संबोधित किया स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में स्कूल के पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को कुछ जानकारी दी भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा क्षेत्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित हुए भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने एवं प्राथमिक विद्यालय धनीपुर की प्रधानाध्यापिका नमिता सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज पर आया शिक्षामित्र आशा चक्रवर्ती ने राष्ट्रीय गान बच्चों से प्रस्तुत कराया भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता दिवस के बारे में बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां दी स्वतंत्रता दिवस प्रतिवर्ष बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है इस अवसर पर शिक्षामित्र अध्यापिका आशा चक्रवर्ती विकास बाबू नीति देवी पूनम गुप्ता मिड डे मील में काम करने वाली रसोईया एवं अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित रहे

विभिन्न स्कूल कालेजों व सरकारी अर्ध सरकारी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों पर शान के साथ फहरा तिरंगा

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

रायपुर-अकराबाद - पदमोदय यूनिवर्सल कालेज में प्रातः 8 बजे भिन्न भिन्न गांवों से हर्षोल्लास के साथ आए सजे धजे हाथों में तिरंगे को लहराते हुए बच्चों ने विद्यालय में प्रवेश किया। विद्यालय के संस्थापक चेयरमैन व डायरेक्टर डा. मानव शर्मा, पदमोदय एजुकेशनल ट्रस्ट की सदस्या डा. समीक्षा शर्मा ने संयुक्त रुप से राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। संस्थापक डा. उदयवीर शर्मा ने विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। इस मौके पर डा. पदमा शर्मा ,अध्यापिकाएं सोनी यादव, नेहा शर्मा ममता सिंह आदि मौजूद रहे। बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति अकराबाद पर अध्यक्ष नीरज शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया सचिव राजेश कुमार शर्मा व रोहिताश कुमार, विमल कुमार, रोबिन ठाकुर, बलवीर सिंह, अवधेश शर्मा ,ठा.मोनू सिंह,गौरव ठाकुर, हर्ष कश्यप आदि मौजूद रहे। कस्बा स्थित राष्ट्रीय इंटर कालेज से कस्बा के मुख्य बाजार में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान कालेज के सैकड़ों छात्रछात्राओं ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता के गगन भेदी नारे लगाए। तिरंगा यात्रा में प्रधानाचार्य डा. नरेंद्र पालसिंह सहित समस्त स्टाफ मौजूद था। अकराबाद ब्लाक कार्यालय पर ब्लाक प्रमुख ठा. राहुल सिंह द्वारा

राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस मौके पर बीडीओ लियाकत अली, समस्त ब्लाक के अधिकारी व कर्मचारी, ग्रामप्रधान योगेंद्रपालसिंह बाबूजी, मनोज कुमार सिंह, रिषीपाल सिंह आदि थे।

मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम में अमृत सरोवर पर फहराया गया तिरंगा अकराबाद=76वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गांव जिरौलीहीरासिंह स्थित अमृत सरोवर पर ग्राम प्रधान ठा.मनोजसिंह जादोंन,राजपाल सिंह, मलखान सिंह,योगेंद्र पाल सिंह आचार्य प्रधानाचार्य आदि ने शान से तिरंगा फहराया। गांव के स्वतंत्रता सेनानी व शहीदों के परिवारजनों को फूलमालाएं पहनाकर व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।विद्युत केंद्र अकराबाद एवं पिलखना जिरौलीहीरासिंह पर अवर अभियंता श्रीचंद ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने भारत पर आजादी के दौरान मर मिटने वाले अमर शहीदों के इतिहास पर प्रकाश डाला।इस मौके पर एसएसओ राजवीरसिंह व प्रवेश यादव, विनय कुमार शर्मा, लाइनमेन मनोज सिंह, जितेंद्र सिंह, रामू ठाकुर, भुवनेश यादव शाहिद खां आदि थे।टोल प्लाज अकराबाद पर मेनेजर नरेंद्रसिंह ठाकुर ने ध्वजारोहण किया।मिष्ठान का बितरण किया। इस मौके पर मोहित चौधरी भोला यादव आदि थे।कस्बा कौड़ियागंज में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य भाजपा युवा नेता विनय वार्ष्णेय उर्फ बिट्टू के नेतृत्व में हजारों युवाओं के साथ तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ठा. प्रवीण राज सिंह, जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह लोधी ,मनोज यादव ,कुलदीप सिंह चैयरमेन,अरुण चौधरी, संजय गोस्वामी, हरेंद्र लोधी,राहुल कुमार ,आशीष राघव,नितेश शर्मा,आदि थे।भाकियू टिकैत गुट के प्रदेश उपाध्यक्ष राम अवतार यादव की अगुवाई में कौड़ियागंज के आसपास व गंगीरी तक सैकड़ों कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ ट्रैक्टर परेड निकाली।इस दौरान रामावतार यादव प्रदेश उपाध्यक्ष,देवेंद्र सिंह यादव प्रदेश महासचिव, भोले प्रधान कमांडो, ओ पी सिंह, मंगल सिंह ब्लाक अध्यक्ष, धीरेंद्र सिंह, अशोक कुमार, सोनू भाई, रविंद्र सिंह, हरिकिशन आदि थे।भारतीय किसान यूनियन भानू के क्षेत्रीय कार्यालय पर राष्ट्रगान के साथ तिरंगा फहराया गया इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष ठा.अशोक सिंह, प्रधान रामेश्वर व मोइनुद्दीन आदि मौजूद रहे।अलीगढ़ जिला सहकारी बैंक लि.अलीगढ़ की शाखा अकराबाद में शाखा प्रबंधक नीरज यादव, कैशियर बिंदु यादव व सहयोगी मुनेष कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

जानेमन क्या हो रहा है कहते ही तड़ाक तड़ाक

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

रायपुर-अकराबाद - राह चलती किशोरी को रोककर कहां जा रही हो जानेमन कहना उस समय एक युवक को भारी पड़ गया जब किशोरी ने आरोपित के मुंह पर तड़ाक तड़ाक चांटे रसीद कर दिए।

घटना होते ही मौके पर उसके चाचा सहित कई लोग आगए। पीड़ित युवती ने पुलिस को दी तहरीर मे बताया है कि वह शनिवार की सुबह समय करीब 9ः00 बजे गांव में दुकान पर जा रही थी।

आरोप है कि तभी रास्ते में खड़े पड़ोस के युवक ने उसके साथ अभद्रता का व्यवहार करते हुए कहा कि जानेमन कहां जा रही हो कहते हुए उसका हाथ पकड़ कर अपनी तरफ खींचने लगा तभी अचानक उसके चाचा आ गए और उसकी हरकत देखकर उन्हें गुस्सा आ गया। इसी बीच दोनों में झगड़ा हो गया।

आरोपित ने ईट उठाकर चाचा को मार दी। उसने घर पहुंच कर परिजनों को आपबीती बताई। पीड़िता ने परिजनों संग कोतवाली पहुंच कर आरोपित के खिलाफ तहरीर देकर पुलिस से कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

रुदायन में महिला ने फांसी लगाकर दे दी जान मायके वालों ने किया हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

रायपुर-अकराबाद - कोतवाली के गांव रुदायन में एक महिला ने सुबह कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बच्चे स्कूल से पढ़कर लंच के समय घर पहुंचे तो कमरा बंद देख मां को आवाज लगाते हुए दरबाजा पीटा आवाज ने आने पर विंडो से अंदर झांककर देखा तो दोनों की चीख निकल गई।बच्चों की चीखपुकार पर आसपड़ोस के लोग आगये और किबाड़ों को तोड़कर फंदे से लटक रही दुर्गेश (30) को बाहर निकाला। सूचना पर मायके वाले गांव आ गए और मारने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। घटना की जानकारी पर पुलिस गांव पहुंच गई। जनपद हाथरस की कोतवाली सिकंदराराऊ के गांव टटी डंडिया निवासी अशोक कुमार ने बताया है कि करीब दस ग्यारह वर्ष पूर्व उसने अपनी बेटी दुर्गेश की शादी अकराबाद के गांव रुदायन गोपी निवासी राजा उर्फ राजेंद्र सिंह पुत्र मुंशीलाल के साथ की थी।आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद से ही घर में क्लेश का बातावरण बन गया था। पति राजेंद्र सिंह हरियाणा के सोना में एक निजी कंपनी में कार चलाते है।घटना के समय वह अपनी डयूटी पर कंपनी में थे। उन्होंने बताया सुबह ही दुर्गेश से फोन पर बातचीत हुई थी। पत्नी की मौत पर वह हैरान है। उन्होंने बताया बंटवारे को लेकर आए दिन परिवार के लोगों से क्लेश होती थी। रोते विलखते छोड़ा है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए अलीगढ़ भेजा है। घटना के संबंध में सीओ बरला सर्जना सिंह ने बताया है कि अभी घटना की तहरीर नहीं मिली है।अगर तहरीर आती है तो जांचकर कार्यवाई की जायेगी।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के कैंप कार्यालय पर जिला सूचना अधिकारी द्वारा किया गया ध्वजारोहण

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- 77 वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न पुलिस प्रशासन व अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के पत्रकारों ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया,

जिसमें मुख्य तौर से जिला सूचना अधिकारी श्री मति नीतू सिंह कन्नौजिया, अग्निशमन अधिकारी सीएफओ चंद्रमोहन शर्मा व पुलिस उपाधीक्षक इंटेलिजेंस यशपाल सिंह जी उपस्थिति

में द्वारा ध्वजारोहण किया गया, साथ ही उपस्थित सभी अधिकारियों व पत्रकारों ने राष्ट्रगान गाया । इस दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों ने पत्रकारों व समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और संगठन के जिलाध्यक्ष सत्यम शर्मा ने सभी अधिकारियों को सम्मानित किया। इस दौरान चरखे से सूत काटने का भी कार्यक्रम हुआ, सूत काटने की विधि की जानकारी भी अधिकारियों ने ली। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष सत्यम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अशोक शर्मा, आदित्य भारद्वाज, अफरोज अली, शशांक राठौड़, रूपेंद्र मौर्य, अंकित चौहान, तकी रिजवी, अमल सैनी, मनोज शर्मा, शाहवर सिद्दीकी, अश्वनी शर्मा, रजनीश श्रीवास्तव आदि के साथ-साथ गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रपाल गौड़, डॉ.हरेंद्र सिंह, सुमित चौहान व बच्चों में अथर्व गौड़, प्रियांशी शर्मा, सात्विक आदि ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जस्ट डायल ऐप के जरिए ट्रांसपोर्टेशन के नाम पर करोड़ों का फ्रॉड करने वाले पांच ठग गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - कोतवाली फर्रुखाबाद पुलिस ने जस्ट डायल ऐप के जरिए अंतर्जनपदीय व अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा प्रदान करने के नाम पर प्राप्त करने वाले पांच साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है कोतवाली पुलिस एवं एसओजी टीम के द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान में कोतवाली फर्रुखाबाद पुलिस ने साइबर अपराधियों की घेराबंदी की पुलिस ने कोतवाली फर्रुखाबाद के मोहल्ला गढी कोहना निवासी शिवम गुप्ता उर्फ कृष्णा पुत्र मुनीष, मोहल्ला राजीव गांधी नगर निवासी सचिन राजपूत उर्फ सच्चू पुत्र कुंवर पाल, मोहल्ला नरकसा निवासी दिलीप कुमार पुत्र जयवीर सिंह कोतवाली फतेहगढ़ के मोहल्ला कर्नलगंज पीली मस्जिद के निकट रहने वाला रामनिवास पुत्र ओमप्रकाश एवं थाना मऊ दरवाजा के ग्राम नगला समाधान निवासी सत्यम यादव पुत्र रनवीर सिंह को गिरफ्तार किया है कुंवर पाल थाना मऊदरवाजा के ग्राम गूजरपुर का मूल निवासी है पुलिस ने आरोपियों के पास से आधा दर्जन मोबाइल फोन दो स्मार्ट वॉच 11 एटीएम कार्ड तीन पैन कार्ड पांच आधार कार्ड वोटर कार्ड एक सोने की चैन एक सोने का ब्रेसलेट एक गूगल स्कैनर कार पा तीन चेक बुकें दो पासबुकें 14 सिमें 34 240 रुपए बरामद हुए हैं अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि हम लोग इंटरनेट के माध्यम से अधिकृत एप्प का क्लोन बनाकर तथा जस्ट डायल एप के माध्यम से ग्राहक की जानकारी कर जस्ट डायल ऐप पर डायल किए गए मोबाइल नंबर पर फर्जी तरीके से अपनी पहचान को गुप्त रखते हैं अपने आप को जस्ट डायल एप पर मोबाइल नंबर से इंस्ट्रक्शंस फालोअप करने को कहते हैं ग्राहक को सेवा देने का झूठा आश्वासन देते हुए टोकन मनी अग्रिम धनराशि के नाम पर क्यूआर कोड भेज कर भुगतान करने को कहते हैं भोले भाले ग्राहक हम लोगों के झांसे में आकर अग्रिम धनराशि हमारे क्यूआर कोड पर भेज देते हैं उसके बाद हम लोग अपनी सर्विस को चालाकी एवं छल से डीएक्टिव कर देते हैं इसी तरह हम दूसरे लोगों को जाल में फंसाते हैं हम लोगों ने अभी तक इसी प्रकार की जालसाजी व फर्जीवाड़ा कर करीब तीन से चार करोड़ रुपए रुपयों की संपत्ति अर्जित की है ठगे गए धन से हम लोग महंगी गाड़ियां लग्जरी जीवन व्यतीत करते हैं

स्वतन्त्रता दिवस पर गूंजे देशभक्ति के तराने, फहरे तिरंगे

क्यूँ न लिखूँ सच
योगेश मुदगल

एटा-स्वतन्त्रता दिवस का पर्व मारहरा कस्बा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी सरकारी कार्यालयों के साथ तमाम स्कूल और कालेजों में ध्वजारोहण किया गया। कस्बा शारदा कान्वेंट स्कूल में मुख्य अतिथि सचेन्द्र शर्मा एवं प्रबंधक डॉ0 सुबोध सक्सेना द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभरम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं प्रबंधतंत्र द्वारा मुख्य अतिथि व अन्य अतिथिगणों को तिरंगी पट्टिकाएं पहना कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने बच्चों को स्वतन्त्रता दिवस के बारे में विस्तार से जानकारियां दीं। इस दौरान प्रिंसिपल रंजीत मसीह, उदयराज आदि मौजूद रहे। नगर पालिका परिषद में चेयरमेन शशिप्रभा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद आयोजित गोष्ठी कार्यक्रम में पूर्व पालिकाध्यक्ष परवेज जुबैरी द्वारा स्वतन्त्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। थाना कोतवाली में एसओ सत्यपालसिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सभी पुलिसकर्मियों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी।

करंट लगने से पीआरडी जवान की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच
योगेश मुदगल

एटा- खेत में पानी लगाने के लिए समर्सेबिल चलाते समय करंट की चपेट में आने से पीआरडी जवान की मौत हो गयी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है।मारहरा नगर पालिका क्षेत्र के गांव नगला परसी निवासी रामौतार (48 वर्ष) पीआरडी के जवान थे। परिजनों ने बताया, कि बुधवार की सुबह 9 बजे लगभग वह अपने खेत में पानी लगाने के लिए गये थे। खेत पर पहुंचकर उन्होने निजी ट्यबैल में लगी समर को चालू करने के लिए जैसे ही स्टार्टर का स्विच ऑन किया, वैसे ही करंट की चपेट में आ गये और करंट के झटके से उनका सिर लोहे कै गेट में लगा, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गयी। खेत से गुजर रहे अन्य किसानों ने जब उन्हे वहां मृत अवस्था में पडा देखा, तो इसकी सूचना परिजनों को मिली। आनन फानन में परिजन उन्हे समीपतर्वी जनपद कासगंज के जिला अस्पताल ले गये, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। पीआरडी जवान की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। मारहरा थानाध्यक्ष सत्यपालसिंह ने बताया, कि मृतक के भाई प्रेमराज द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर शव का पंचनाम भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भिजवा दिया गया है।

जेवर लेकर बीबी गायब

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

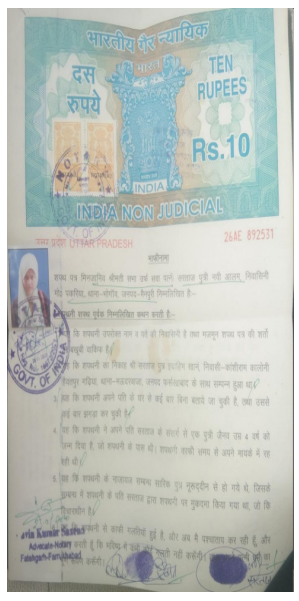

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद सरताज पुत्र स्वश इब्राहिम निवासी हैबतपुर गढ़िया काशीराम कॉलोनी फर्रुखाबाद थाना मऊ दरवाजा फर्रुखाबाद में प्रार्थना पत्र दिया जिसने बताया कि मेरी पत्नी के अवैध संबंध मेरा भांजा शारिक से है जोकि रहने वाला कटकपुरा का मूल निवासी है कई बार मेरी पत्नी को भगा ले गया कुछ समय के बाद वापस लौट आने पर बाद में समझौता भी हो गया मैंने उसको अपने पास रख लिया आज लगभग एक महीना पहले मेरी पत्नी और मेरी पुत्री 7 वर्ष की है उन दोनों को ना जाने कहां लेकर चला गया मुझे नशीला पदार्थ देकर ये लोग न जाने कहां चले गए मैं जब से भटक रहा हूं मेरी पत्नी मेरे बच्चे का कोई पता नहीं चला मेरे घर पर जो जेवर व कुछ पैसे रखे थे वह भी लूट कर यह दोनों ले गए इन दोनों लोगों का अभी तक कोई पता नहीं चला। सरताज ने बताया कि मेरी बहन से शारिक के बारे में पता पूछा जाए तो पुलिस प्रशासन द्वारा तो शायद यह बता दे उसको सब मालूम है सरताज का यह भी कहना है कि खालिद घटना से एक दिन पहले रात 11=00 बजे आया था और सुबह मालवा जेवर लेकर मुझे नशीला पदार्थ देखकर वह साथ मेरी पत्नी को भी ले गया तकरीबन 5=00 बजे घर से निकल गए नशीला पदार्थ हमारे घर में और कोई नहीं है पड़ोसी ने कुंजी खोल के सूचना दी कि तुम्हारी बीवी जो है जा चुकी है और पड़ोसियों को देखने के बाद मुझे यह बताया गया कि मैंने उसे खालिद के साथ जाते हुए देखा है

स्वतंत्रता दिवस आचार्य बालकृष्ण जीके जन्मदिवस पर महिला पंतजलि का संगठन बहनों द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद मे महिला पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश महिला जिला अध्यक्ष अर्चना त्रिवेदी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस आचार्य बालकृष्ण जीके जन्मदिवस पर महिला पंतजलि का संगठन बहनों द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया सेनापति मोहल्ले में अर्चना द्विवेदी के आवास पर कुछ बहनों को सम्मानित भी किया गया प्रीति तिवारी एडवोकेट पुनीता अग्निहोत्री पराशक्ति पत्र देकर उत्साह भी बढ़ाया गया और बहनों को आगे पंतजलि योग में हिस्सा लेने को कहां गया स्वतंत्रता दिवस पर पतंजलि जड़ी बूटी योग का शुभारंभ यज्ञ आहुति के साथ पर पूर्ण किया गया मुख्य यजमान के रूप में प्रीति तिवारी एडवोकेट महिला मोर्चा कोषाध्यक्ष के द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा बनाएगी योग पतंजलि में पहनो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया रेनू आर्य बहनों ने सब को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई दी बधाई दी

सी.पी.आई. में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सी.पी. इंटरनेशनल स्कूल फर्रुखाबाद में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र गोयल (वरिष्ठ अधिवक्ता आयकर विभाग) ने अपने कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण करके किया। साथ ही सभी ने राष्ट्रगान किया। मुख्य अतिथि श्री सुरेश चंद्र गोयल एवं उपनिदेशिका श्रीमती अंजूराजे व प्रधानाचार्य डॉ. विनोद चंद शर्मा एवं हेड मिस्ट्रेस श्रीमती संदीप कुमार तथा सभी शिक्षकों ने फ्रीडम फाइटर्स को पुष्पांजलि समर्पित की। मुख्य अतिथि श्री सुरेश चंद्र गोयल ने अपने उद्बोधन में बताया कि स्वतंत्रता की कीमत का आकलन करना हमारे पूर्वजों के प्रति बेईमानी होगी क्योंकि देश को स्वतंत्र कराने में स्वतंत्रता सेनानियों ने जो अंग्रेजों के अत्याचार सहे, जो दंश झेले , जिन परिस्थितियों का सामना किया वहां तक हम लोग सोच भी नहीं पा रहे हैं अर्थात उन्होंने अपना अमूल्य योगदान दिया है इसलिए उनके जीवन से हम लोगों को सीख लेनी चाहिए किसी संकट कितना भी बड़ा हो लेकिन देश के प्रति वफादारी से कभी पीछे नहीं हटेंगे। और हम लोग जो भी कार्य कर रहे हैं उसे ईमानदारी के साथ प्रतिदिन नए उत्साह के साथ मेहनत से करते रहेंगे। क्योंकि हम लोग जिस कार्य के लिए नियुक्त हुए हैं मेहनत से उसे पूरा करना भी देशभक्ति ही है । प्रधानाचार्य डॉ. विनोद चंद शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया की छात्रा देश का भविष्य है और शिक्षक देश के निर्माता यह दोनों जितनी जल्दी अपनी संपूर्ण क्षमता को उपयोग में ला सकेंगे उतनी जल्दी देश हर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल होगा। इसके अलावा प्रधानाचार्य जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। सायं काल में विद्यालय के आवासीय छात्र एवं शिक्षकों के मध्य क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम को विराम दिया गया। कार्यक्रम का संचालन उदित प्रधान एवं नंदिनी गुप्ता ने किया। सभी छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस का प्रसाद पाकर अपने अपने घर को प्रस्थान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

धूमधाम से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच
बिथरीचैनपुर- आजादी के अमृत महोत्सव की सुगंध,हर घर तिरंगा गज़ब मेरे देश की माटी, मेरा देश जैसे पुनीत बेला में 77वां स्वतन्त्रता दिवस के पावन अवसर पर गांव परेवा कुइयां के उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य आतिफ अनबर ने ग्राम पंचायत पहरापुर बसावन नगरिया में प्रधान छेदालाल ने पंचायत घर पर ग्राम पंचायत भगवतीपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य जयदेव सागर ने ध्वजारोहण किया ।
बच्चों ने विविध साथ कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं ग्राम पंचायत बेनीपुर सादात में प्रधान ओमप्रकाश ने पंचायत घर पर ध्वजारोहण किया बच्चों को मिठाई बांटीं। इसके अलावा भदपुरा के ग्राम पंचायत मुड़िया जगरूप के प्रधान प्रतिनिधि सुधीर ने पंचायत घर पर ग्राम पंचायत बिलासनगर के पंचायत घर पर ग्राम पंचायत गजनेरा प्रधान सोमपाल ने पंचायत घर पर ध्वजारोहण किया बच्चों को मिठाई बांटी।तथा उन्हें पुरस्कार दिए।

धूमधाम से मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस, हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, निकाली गयीं, तिरंगा यात्राएं

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सी.पी. इंटरनेशनल स्कूल फर्रुखाबाद में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र गोयल (वरिष्ठ अधिवक्ता आयकर विभाग) ने अपने कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण करके किया। साथ ही सभी ने राष्ट्रगान किया। मुख्य अतिथि श्री सुरेश चंद्र गोयल एवं उपनिदेशिका श्रीमती अंजूराजे व प्रधानाचार्य डॉ. विनोद चंद शर्मा एवं हेड मिस्ट्रेस श्रीमती संदीप कुमार तथा सभी शिक्षकों ने फ्रीडम फाइटर्स को पुष्पांजलि समर्पित की। मुख्य अतिथि श्री सुरेश चंद्र गोयल ने अपने उद्बोधन में बताया कि स्वतंत्रता की कीमत का आकलन करना हमारे पूर्वजों के प्रति बेईमानी होगी क्योंकि देश को स्वतंत्र कराने में स्वतंत्रता सेनानियों ने जो अंग्रेजों के अत्याचार सहे, जो दंश झेले , जिन परिस्थितियों का सामना किया हम लोग जिस कार्य के लिए नियुक्त हुए हैं मेहनत से उसे पूरा करना भी देशभक्ति ही है । प्रधानाचार्य डॉ. विनोद चंद शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया की छात्रा देश का भविष्य है और शिक्षक देश के निर्माता यह दोनों जितनी जल्दी अपनी संपूर्ण क्षमता को उपयोग में ला सकेंगे उतनी जल्दी देश हर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल होगा। इसके अलावा प्रधानाचार्य जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। सायं काल में विद्यालय के आवासीय छात्र एवं शिक्षकों के मध्य क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम को विराम दिया गया।
कार्यक्रम का संचालन उदित प्रधान एवं नंदिनी गुप्ता ने किया। सभी छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस का प्रसाद पाकर अपने अपने घर को प्रस्थान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

पुलिस लाइन फतेहगढ़ पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के द्वारा 77वें स्वतंत्रता दिवस आजादी का तिरंगा झंडा फहराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद पुलिस लाइन फतेहगढ़ पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के द्वारा आज 77वें स्वतंत्रता दिवस आजादी का तिरंगा झंडा फहराया गया पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने झंडा रोपण कर पुलिस लाइन में अपने अधिकारों के बारे में शपथ दिलाई और कहां की आजादी के बाद हम लोगों को जो अधिकार मिले हैं उनका कानून के दायरे में रहते हुए पालन करना है। 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कुछ उप निरीक्षक दरोगा को प्रस्तुति पत्र देकर सम्मानित किया उमाशंकर चतुर्वेदी अमित शर्मा पांचाल घाट 112 नंबर पुलिस अच्छा कार्य करने के लिए सम्मानित किया जिसमें कुछ महिला पुलिस हेल्पलाइन पुलिस अधीक्षक विकास कुमार राष्ट्रीय गीत जय हिंद जय भारत उद्घोष कर परेड कर सलामी दी गई बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया स्वतंत्रता दिवस आजादी से मिला भारत तिरंगा से जगमगाता पुलिस लाइन में समय से 10 =10 पर मिनट पर झंडा फहराया गया

यदि जेनेरिक दवाओं को लेकर सरकार गंभीर है तो ब्रांडेड दवाएं बनाने पर लगे रोक- आईडीपीडी

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के एथिक्स बोर्ड की अधिसूचना जिसमें डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए कहा गया है, दवा की कीमतों को तर्कसंगत बनाने की सरकार की नीति के बिल्कुल विपरीत है। अधिसूचना में डॉक्टरों से दवाओं के औषधीय नाम लिखने की अपेक्षा की गई है अगर सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है तो उसे ब्रांडेड दवाओं पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, अन्यथा ऐसे मामले में केमिस्ट तय करेंगे कि मरीज को कौन सा ब्रांड बेचना है। इंडियन डॉक्टर्स फॉर पीस एंड डेवलपमेंट के अध्यक्ष डॉ. अरुण मित्रा और महासचिव डॉ. शकील उर रहमान ने एक बयान में कहा कि गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं इंडियन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड और अन्य सरकारी कंपनियों द्वारा लंबे समय तक विकसित की गईं । सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों द्वारा निर्मित दवाओं की कम लागत के कारण, इन दवाओं ने उपचार की लागत को कम कर दिया है और न केवल विकासशील देशों बल्कि कुछ विकसित यूरोपीय देशों में भी यह निर्यात के लिए उच्च मांग में हैं लेकिन सरकार ने जेनेरिक दवाएँ बनाने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को लगभग निष्क्रिय कर दिया है। यही बात टीकों के मामले में भी लागू होती है. पंजाब मेडिकल काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जीएस ग्रेवाल ने कहा कि ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं में बड़ी खामी है; एम आर पी और खरीद मूल्य के बीच कीमत का अंतर बहुत अधिक है। दवाओं में व्यापार मार्जिन को तर्कसंगत बनाने पर सरकार की अपनी समिति ने दिसंबर 2015 में इस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, लेकिन हमारे बार-बार याद दिलाने और अनुरोध करने के बावजूद, इस रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार केवल डॉक्टरों को निशाना बनाना चाहती है लेकिन दवा बनाने वाली दवा कंपनियों के साथ उसकी मिलीभगत है।

निधौलीकलां में रानी अवंतीबाई लोधी जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-जनपद एटा के कस्बा निधौली कला में अमर शहीद वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की 192 भी जन्म जयंती पर भव्य शोभायात्रा लोधी समाज के लोगों ने निकाली। इस शोभायात्रा का उद्घाटन हरी झंडी दिखाकर रामबाबू वर्मा ने शुभारंभ किया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेता लोधी राकेश राजपूत रहे, और निवेदक में आप और हम रहे। कार्यक्रम में अवंती बाई की भूमिका में लोधी नेहा राजपूत, भारत माता की भूमिका में लोधीसीमा राजपूत और भगत सिंह की भूमिका में तेजस राजपूत रहे। शोभायात्रा में लोधी समाज के नेम सिंह राजपूत, झम्मन सिंह वर्मा पूर्व प्रवक्ता, देवलाल लोधी पूर्व अध्यक्ष, सुरेश चंद वर्मा एडवोकेट, देवेंद्र लोधी एडवोकेट ,डॉक्टर महिपाल सिंह ,साहब सिंह अध्यापक, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि मोनी गुप्ता, वेदराम वर्मा, मुन्नालाल वर्मा, कंचन बोहरे, देवेन्द्र राजपूत सर्राफ,सुशील प्रधान लालपुर ,संजय प्रधान नगला गोदी,कमलेश प्रधान, हेत सिंह वर्मा कंडक्टर ,दीवान लोधी, दिलीप लोधी, कमलेश कुमार, राकेश अध्यापक, दुर्वेश कुमार, आदि का स्वागत वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी शोभायात्रा की कमेटी ने कमलकांत और गोपाल के नेतृत्व में पगड़ी, फूल माला और पटका पहनकर सभी का सम्मान किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोधी राकेश राजपूत फिल्म अभिनेता ने बड़ा बाजार में लोधी समाज को संबोधित किया और अवंतीबाई लोधी के जीवन पर प्रकाश डाला। शोभायात्रा को लोधी उत्थान समिति के नेम सिंह राजपूत अध्यापक, देवलाल लोधी पूर्व अध्यक्ष, देवेंद्र लोधी एडवोकेट जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोधी महासभा एटा ने भी शोभायात्रा को संबोधित किया। कार्यक्रम में उपस्थित कमेटी मुखिया कमलकांत वर्मा मुखिया,अध्यक्ष गोपाल ,मनमोहन सिंह ,राजकुमार लोधी, वेद प्रकाश, योगेंद्र सिंह ,संजीव कुमार, विपिन, कृष्णा,डोरीलाल, विपिन गुप्ता, आशीष ,सोमेश अध्यापक, करनसिंह लोधी, कुमकुम, सीमा, सरिता, पूजा, गीत, कैस कुमारी,ज्योति, शीतल, नेहा राजपूत, शालू, वैष्णवी, गीता,खुशबू, माया लोधी, मुस्कान लोधी, सौरभ लोधी, अमित ,प्रेम किशोर, सरमन सिंह, नीरज ,ओमपाल, गिर्राज, सोमेश पढाके वाले, कालू लोधी, सुरेश चंद्र वर्मा,के साथ ही सैकड़ो लोधी समाज ने शोभायात्रा में भाग लिया।

09 सितम्बर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा के तत्वावधान में दिनांक09-09-2023 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। इस लोक अदालत से पूर्व आज दिनांक 16-08-2023 को श्री नरेन्द्र कुमार सिंह अपर जिला जज / नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत की अध्यक्षता एवं श्री कमालुद्दीन, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा द्वारा समस्त उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदारों की बैठक ली गई। बैठक में नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा उपस्थित सभी अधिकारीगणों को निर्देशित किया गया कि प्रशासन से संबंधित अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारण एवं समन तामीला कराया जाना सुनिश्चित करें। इस बैठक में में राकेश कुमार, तहसीलदार, अलीगंज एटा, अजीत कुमार सिंह, तहसीलदार जलेसर, एवं डौली, नायब तहसीलदार, सदर एटा आदि अधिकारीगण उपस्थित रहें।

आजादी का अमृत महोत्सव को लोगों के नेतृत्व वाली पहल के रूप में मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - वायु सेना स्टेशन हलवारा में मेरी माटी मेरा देश - आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, आजादी का अमृत महोत्सव को लोगों के नेतृत्व वाली पहल के रूप में मनाया जा रहा है। भारत सरकार ने AKAM के उत्सव की निरंतरता के रूप में मेरी माटी मेरा देश अभियान शुरू किया है। 9 से 15 अगस्त 2023 के बीच वायु सेना स्टेशन, हलवारा में थीम के अनुरूप विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। 15 अगस्त 2023 को एतियाना गांव में वसुधा वंदन के रूप में धरती मां को फिर से जीवंत करने के लिए स्वदेशी प्रजातियों के पौधे लगाकर एक मृत वाटिका विकसित की जा रही है। एयर कमोडोर संदीप चौधरी एयर ऑफिसर कमांडिंग, वायु सेना स्टेशन हलवारा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। सरकारी हाई स्कूल एतियाना गांव में आयोजित समारोह में वायु सेना स्टेशन हलवारा के एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर कमांडर संदीप चौधरी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर पंच प्राण शपथ भी दिलाई गई जिसमें गांव के सरपंच सहित स्कूली बच्चे, स्टाफ व क्षेत्रवासी शामिल हुए। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों को 15 अगस्त 2023 को वीरों का वंदन के हिस्से के रूप में एएफ स्टेशन हलवारा के पास एतियाना और सुधार गांवों में सम्मानित किया गया, जिसमें परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस पर मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव हुए सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा- - स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी एवं आपातकाल के दौर में लोकतंत्र की हिफाज़त में मीसा कानून के तहत 18 माह 6 दिन जेल में निरुद्ध रहने वाले बेमाफी के मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया! रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा उन्हें शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया! इस अवसर पर रीवा एस.पी. विवेक सिंह, एडिशनल एस. पी. अनिल सोनकर, आयुक्त नगर निगम संस्कृति जैन, एस. डी. एम. रीवा अनुराग तिवारी, एवं नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला भी उपस्थित रहे! सम्मानित होने वाले मीसाबंदी सुभाष श्रीवास्तव ने कहा कि- 卐मैने अपने जीवन के 67 वर्षो में 50 वर्ष समूचे समाज के लिए इसलिए समर्पित नही किया कि कभी मुझे सम्मान मिले, बल्कि इसलिए कि समाज की सेवा करना मैने अपना फर्ज समझा! मीसा में बंद हुए तो इसलिए नहीं की भविष्य में पेंशन मिले बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे लगा कि आपातकाल के उस भयावह दौर में लोकतंत्र खतरे में है, तो मुझे भी लोकतंत्र बचाने के महायज्ञ में अपनी आहुति देनी है! आपातकाल की तानाशाही के परिणामस्वरूप जब प्रेस में सेंसरशिप लगा दी गयी, अतिक्रमण के नाम पर गरीबों की झुग्गी झोंपड़ियाँ नष्ट की गयी, जब लोगों को जेल का डर दिखा कर खौफ़ पैदा करने का कार्य किया जाने लगा तब मेरे मन में भी आक्रोश के बीज प्रस्फुटित हुए और मैने इंकलाबी तेवर दिखा कर अपनी गिरफ्तारी दी!

विवादित ऑडियो वायरल के मामले में बयान दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-विवादित ऑडियो को लेकर नगर पुलिस ने भी जांच तेज कर दी है। बाबू पर दर्ज मामले को लेकर नगर पुलिस ने बयान दर्ज किए गए। कोतवाली नगर में चिकित्साधिकारी सहित दो के बयान पुलिस ने दर्ज किए है। बता दें कि चिकित्साधिकारी ने कोतवाली नगर में दस अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी, इसमें आरोप थे कि सीएमओ कार्यालय में तैनात रहे बाबू पुष्पेन्द्र कुमार ने दो ऑडियो वायरल किए थे। इसमें उन्होंने वायरल ऑडियो में वादी का नाम लेकर बदनाम किया। निजी जीवन पर आरोप लगाकर बदनाम की कोशिश की गई, जिससे हम तीनों के स्वाभिमान पर ठेस पहुंची है। वायरल ऑडियो के बाद मानसिक रूप से परेशान हुई है। मामले की जांच नगर पुलिस कर रही है। बुधवार को चिकित्साधिकारी सहित दो लोगों के बयान कोतवाली नगर में दर्ज किए गए है। नगर पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। मामले में उच्चाधिकारियों की भी नजर है। बता दें कि बाबू का ट्रान्सफर कर दिया है। आशंका जताई गई है बाबू जांच को प्रभावित कर सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खासमखास कांग्रेस को झटका देते हुए आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की नीतियों और पंजाब सरकार द्वारा लोगों के हितों के लिए किए जा रहे

कार्यों से प्रभावित होकर आज चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी के मुख्य कार्यालय में चेयरमैन मार्कफेड/प्रांतीय सचिव पंजाब अमनदीप सिंह मोही,जिला अध्यक्ष लुधियाना/अध्यक्ष जिला वित्त एवं योजना समिति शरण पाल सिंह मक्कड़, बसंत आइसक्रीम ग्रुप के चेयरमैन राजिंदर सिंह बसंत, पंजाब पुलिस सेवानिवृत्त डीएसपी बुलंद सिंह और ओबीसी कल्याण मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष करमजीत सिंह नारंगवाल, हलका दक्षिण से कुलवंत सिंह पापी, तरलोचन सिंह काका, सरबजीत सिंह सरबा, हलका पश्चिमी से जोगिंदर सिंह और हलका पायल से कैप्टन रामपाल आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। राजिंदर सिंह बसंत जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह खास थे, वे कांग्रेस सरकार के दौरान अलग-अलग विभागों में चेयरमैन पद पर रह चुके हैं। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रिंसिपल बुध राम,उपाध्यक्ष प्रदेश तरूणप्रीत सिंह सौंद, विधायक दलजीत सिंह भोला ग्रेवाल, विधायक राजिंदर पाल कौर छीना भी मौजूद रहे। आने वाले निगम चुनावों और लोकसभा चुनावों में वे पार्टी के निर्देशानुसार पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे और पार्टी के हितों के लिए पंजाब के लोगों की सेवा करेंगे।

डीएम से मिले सेवा संघ के पदाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-वायरल ऑडियो को लेकर 15 अगस्त को प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के पदाधिकारियों ने डीएम अंकित अग्रवाल से मुलाकात की और उन्हे ज्ञापन देते हुए यथोचित कार्रवाई की मांग की।15 अगस्त को सौंपे गए बताया कि दो महिला चिकित्सकों के खिलाफ वरिष्ठ सहायक सीएमओ कार्यालय पुष्पेन्द्र सिंह की ऑडियो वायरल हुई जिसे लेकर डीएम को अवगत कराया । उन्होने प्रत्यावेदन पर यथोचित कार्रवाई करने की मांग की है, जिससे जिले में तैनात सभी चिकित्साधिकारी भयमुक्त होकर कार्य कर सके। मांग की है कि वह एसएसपी को निर्देशित कर कार्रवाई कराने को कहे। सकीट, अवागढ़, मिरहची, निधौलीकलां, जैथरा आदि के चिकित्सक के मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मास्टर करमजीत सिंह ग्रेवाल को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - 77वें स्वतंत्रता दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय कार्यक्रम एस.सी.डी. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गवर्नमेंट कॉलेज लुधियाना में आयोजित किया गया, जहां राज्य पुरस्कार विजेता मास्टर करमजीत सिंह ग्रेवाल को शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वहीं परेड में शामिल पुलिस, एनसीसी, एयर विंग आदि ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया ।इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया। राज्य/राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मास्टर करमजीत सिंह ग्रेवाल को भी शिक्षा मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि मास्टर करमजीत सिंह ग्रेवाल ने बच्चों की कहानियों, बच्चों के गीतों और बच्चों के नाटकों की 10 किताबें प्रकाशित की हैं। बच्चों को ऑडियो/वीडियो के माध्यम से पढ़ाने के लिए 330 वीडियो तैयार किये। विभिन्न विभागों के लिए भी उन्होंने रचनात्मक गीतों की रचना की है। उनकी लिखी लोरी को राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख रुपये का पुरस्कार भी मिल चुका है । इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर लुधियाना सुश्री सुरभि मलिक, पुलिस कमिश्नर लुधियाना मनदीप सिंह सिद्धू, जिला शिक्षा अधिकारी सेकेंडरी सुश्री डिंपल मदान, उप जिला शिक्षा अधिकारी सेकेंडरी जसविंदर सिंह विर्क, बलदेव सिंह जिला शिक्षा अधिकारी एलीमेंट्री, विधायक साहबान, चेयरमैन और अन्य शख्सियतें उपस्थित थे।

करनैल सिंह ईसड़ू के शहीदी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धा-सुमन भेंट

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - ईसड़ू - शहीद करनैल सिंह ईसड़ू को श्रद्धांजली भेंट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महान शहीद गोआ को पुर्तगाली साम्राज्यवाद से मुक्त करवाने का नायक था। उन्होंने कहा कि लोग इस महान राष्ट्रीय नायक के बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वह खुशकिस्मत हैं कि उनको इस पवित्र स्थान के दर्शन करने का अवसर मिला है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहीद करनैल सिंह ईसड़ू को उनके पैतृक गाँव में श्रद्धांजलि भेंट की और शहीद करनैल सिंह ईसड़ू की पत्नी चरनजीत कौर को भी सम्मानित किया। गोआ की आज़ादी के नायक शहीद करनैल सिंह ईसड़ू के शहीदी दिवस के मौके पर समागम में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें माफिया और सम्गलरों की पनाह देती रही थीं, जिस कारण राज्य में भ्रष्टाचार और नशों जैसी बीमारीयों ने पैर पसारे हुए थे। उन्होंने कहा कि राज्य को बर्बाद कर देने वाली ऐसी समस्याओं के प्रति हमारी सरकार ने कोई लिहाज़ न बरतने की नीति अपनाई हुई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार ने राज्य में भ्रष्ट लोगों पर पहले ही शिंकजा कसा हुआ है और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जायेगा।

टूटने की कगार पर खड़े एक परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान केंद्र भवन में संचालित परिवार परामर्श केंद्र पर आज दिनांक 17.8.2023 को आपसी मतभेद के कारण टूटने की कगार पर खड़े एक परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया। रमेश चंद्र निवासी सभापुर थाना निधौली कला जिला एटा। प्रतिवादी मंजू देवी पुत्री जनक सिंह ग्राम जिटौली थाना निधौली कला जिला एटा। आपसी मतभेद के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित थी। दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया। दोनों अपनी पिछले गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए।आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मवती,निरीक्षक बेगम सिंह,काउंसलर प्रीती आमोरिया,पुलिस स्टाफ हेड कांस्टेबल मिथलेश, पूजा मौजूद रहे।

Apart from green, you can also experiment with your look in Teej with these colors

Hariyali Teej 2023 Green color has great importance in the month of Sawan. In this month, women especially wear green colored sarees and bangles, but there are other colors with which you can experiment on the occasion of Hariyali Teej. These colors are considered very auspicious for Teej or other auspicious works. Tie these colors apart from green on Hariyali Teej – orange, yellow, pink, purple sarees are the best for this occasion. Women try to look different and beautiful, but as this Teej is celebrated in the month of Sawan and green color has a special significance in it, due to which most of the women prefer to wear green colored sarees. In such a situation, you may have to work hard to look different, so if you want to look the most beautiful and different with less effort, then experiment with these colors. On the occasion of Teej, if you want to look different from the rest of your friends, then choose purple color instead of green. There are many shades of purple, so choose the shade that appeals to you. If you are going to wear this color saree, then team it up with matching or contrast blouse and get ready to get everyone's attention. Orange color sarees is also the best color for auspicious occasions. It also has light and dark color shades and the best thing is that this color suits almost every skin tone, so think, this time, show yourself in orange colored saree. Pink is the favorite color of most women. Talking about shades, there is so much variety that it can confuse you. There is a chance of Teej, so it would be better if you choose its dark shade only. Fuchsia, magenta are best for the festival. Red When you don't understand any color, then without a second thought, you choose red. Chiffon, georgette, silk, jamdani, red color works to enhance your beauty in all types of sarees. When it comes to auspicious works, this color is always the first choice. Blue Saree Blue color has a wide variety of shades. Where wearing dark blue on auspicious occasions is avoided. On the other hand, you can wear its other shades like turquoise on the occasion of Teej festival. Apart from these, yellow, golden are also great colors for this occasion. So all these colors are such that they are best to enhance your beauty and make you stand out from others.

Important to know: The health of heart and mind depend on each other, if you want to keep both healthy then do these three things

Did you know that the health of your brain and heart are linked? In other words, one is dependent on the other. That is, if any of the heart or brain is unhealthy, then its side effects can be seen on the other organ. Researchers also found in the study that people who have a healthy brain have a lower risk of developing heart problems, while people who have a healthy heart may have a lower risk of dementia - Alzheimer's diseases. Health experts say, due to our messy routine and food problem, negative effects are being seen on these two organs in many ways. Sedentary lifestyle, excessive consumption of junk-fast foods and lack of exercise are not only increasing your risk of heart diseases but can also have a negative impact on mental health. Let us try to understand this connection between heart and mind. Heart and brain connection - Researchers have found that by keeping your heart healthy, you also reduce the risk of neurological problems like stroke and dementia. Basically our heart pumps blood through the vessels to every part of the body including the brain. Damage to blood vessels can lead to serious health problems such as heart disease, stroke and dementia. A study by researchers in Finland found that people who made efforts to keep their heart healthy in adulthood were 40 percent less likely to develop neurological diseases such as Alzheimer's and dementia later in life. Let us know what efforts can be made to keep both these organs healthy. It is most important to take care of diet – health experts say, keeping food healthy can reduce the risk of health problems related to both heart and brain. Are. Regular consumption of whole grains, nuts, seasonal fruits and vegetables, pulses, omega-3 fatty acids in the diet can be beneficial in keeping your blood vessels healthy and reducing problems in the brain. By keeping the diet healthy, you can reduce the risk of heart diseases by up to 40 percent. Regular exercise is very important - Regular exercise is very important to keep the whole body healthy, it increases the blood flow to the heart and brain. Health experts recommend that everyone get at least 150 minutes of exercise a day. Exercising can also reduce the risks of body problems caused by a sedentary lifestyle. Studies have found that people who exercise regularly have a lower risk of developing diseases such as heart attack and stroke. It is necessary to give rest to the brain- It is also very important to keep trying to give rest to the brain, for this exercises like meditation and relaxation can be done. Meditation not only gives rest to the brain, but it also controls blood pressure. Along with controlling blood pressure, it can also reduce the risk of serious brain problems like stroke. Practices such as deep breathing or meditation can be beneficial for keeping both the mind and heart healthy.

Along with making the body healthy, Giloy makes the skin shiny, know how to use it

Skin Care: Whether it is a woman or a man, in today's era everyone keeps on doing some or the other work to enhance their face. To maintain the glow of the face, many times people go to the parlor and spend thousands of rupees and take skin treatment, while there are still many people who have more faith in home remedies. There are many creams, moisturizers and other chemical-based products available in the market, which are made according to the skin type, but sometimes they harm instead of benefiting. In such a situation, today we will teach you how to use Giloy to make your face shiny. Actually, Giloy is a type of vine which has been used since ancient times in Ayurveda as a medicine. People also make and drink its juice. Along with this, in today's article, we will teach you how to use it on the face, so that you too can get glowing skin. Giloy mask- To make this mask, first take Giloy leaves or its stem and grind it well. Now apply this paste on your face for 20 minutes. After 20 minutes wash the face with plain water. You will get this benefit- By using this mask, the skin of your face will start glowing and you will feel fresh. You can easily use it twice a week. Amla and Giloy Mask- To make a mask of Amla and Giloy, you have to prepare a mask by taking a piece of Indian gooseberry and grinding some leaves of Giloy in it. Apply this mask on your face for 15 minutes and then wash your face. Will get this benefit- Using this mask will help your skin to heal. Actually, Giloy has healing power which helps in healing the skin. Within no time your face will become glowing and you will start seeing its effect on your own.

In this problem of hypertension, the color of the skin turns blue, life can go

The problem of hypertension i.e. high blood pressure is considered to be the main cause of many serious diseases in the body. This can lead to life-threatening health problems ranging from heart attack to stroke. Disturbances in lifestyle have been considered as the main reason for the increasing problem of hypertension. We all know about the condition of hypertension and its risks, but have you heard about pulmonary hypertension? Health experts say, this disease is increasing rapidly, about which all people need to be alert. Pulmonary hypertension is also a type of high blood pressure that affects the arteries of the lungs and the right side of the heart. A type of pulmonary hypertension called pulmonary arterial hypertension occurs when the blood vessels in the lungs become narrowed, blocked, or damaged. This type of condition slows down the flow of blood through the lungs, which has many side effects. Increased risk of pulmonary hypertension- Health experts say, pulmonary hypertension can be serious and even life-threatening in some people. Due to its danger, all people need to take special precautions. The way the problem of disturbance in our lifestyle and diet is increasing, the risk of these diseases is also increasing. To avoid this, it is necessary that we keep making continuous efforts so that its risks can be reduced. Why does pulmonary hypertension occur? There can be many reasons for the development of pulmonary hypertension. These include lifestyle and dietary issues, as well as some underlying causes such as congenital heart disease, coronary artery disease, high blood pressure, liver disease (cirrhosis), conditions such as blood clots in the lungs. Normally, blood flows easily through the blood vessels in the lungs to the left side of the heart, but changes in the cells that line the arteries of the lungs can cause the artery walls to become narrow, hard, and swollen. These changes slow down the flow of blood through the lungs, which can reduce the risk of developing this serious disease. Know the symptoms of pulmonary hypertension The condition of pulmonary hypertension can cause a variety of health problems in the body. Symptoms usually develop slowly and become more severe as the disease progresses. Shortness of breath while exercising. Blue or gray skin color due to low oxygen level in the body. These changes can be easily seen on the basis of the color of the skin. Feeling of pressure or pain in the chest. Dizziness or fainting. Heart palpitations and feeling more tired The help of therapy can be taken. Health experts say that certain changes in lifestyle can be helpful in reducing the risks of this disease. Eating a healthy diet rich in whole grains, fruits and vegetables, lean meats, and low-fat dairy products may reduce your risk of hypertension. Apart from this, be active as much as possible and control the weight.

Amitabh Bachchan opened a big secret on the set of the show, told how he hides double chin and wrinkles

'Kaun Banega Crorepati 15' is once again rocking the TV. In the latest episode, host Amitabh Bachchan shares interesting details about SRK's wife Gauri's work life. Megastar Amitabh Bachchan is back on TV with season 15 of his show Kaun Banega Crorepati. In this show, where on the one hand the actors ask difficult questions, on the other hand they also speak openly about their lives. In the latest episode, host Amitabh Bachchan shared interesting details about SRK's wife Gauri's work life, as well as the secret behind staying double chin and wrinkle free. Amitabh Bachchan was asked about Gauri Khan's interior work. Said, 'I have seen Gauri's interior work. Recently, I was shooting with Shah Rukh, so while talking, I went to his van, which is beautifully designed by Gauri Khan. There is a TV, sliding sofa, kitchen and all the luxury items. At the same time, she said, 'After which I thought she would also say that she will work on my vanity design, but Gauri has not come yet'.

Show host Amitabh Bachchan praised contestant Kapil's hotseat. After listening to Big B's praise, Kapil asked him how he maintains his beard style. On this question, Big B gave a funny answer and said, 'I do not maintain care of herself'. Amitabh Bachchan her, she takes 'I was asked to keep this beard disclosed that, shooting of the film 'Aks'. After this, during the looked in the mirror, I liked this when I kept this style since then. At the style, just said that as your age increases, same time, he double chin, wrinkles start appearing on your face. I realized that this beard helps in hiding the double chin and keeping me wrinkle free.

Vivek Agnihotri wants to make a film on Mahabharata, said - the fight between religion and unrighteousness

Vivek Agnihotri, director of 'The Kashmir Files', has said in an interview given to a media organization that now the director is thinking of making a film on the Mahabharata.Vivek Agnihotri, director of 'The Kashmir Files', often attacks the media for his statements. remain in the limelight. Along with this, Vivek is in discussion about his upcoming film 'The Vaccine War'. His film will be released on 28 September. At the same time, Vivek has said in an interview given to a media organization that now the director is thinking of making a film on Mahabharata. Vivek Agnihotri said this- In the interview he has said that he has spent his whole life in reading, researching, analyzing and including his life in his speeches. He said that if now he has to make films on mythology, he will make it like history. 'Mahabharat is a fight between dharma and adharma'- he further said, 'Others are making anything for box office, but I am going to make it for the people, others have raised Arjuna, Bhima and others. - Made to show off, whereas for me Mahabharata is a fight between religion and unrighteousness.' Vivek Agnihotri's film will be released on this day- Tell that recently Vivek Agnihotri's docu series 'The Kashmir Files Unreported' has been released on OTT platform G5. At the same time, his next film 'The Vaccine War: A True Story' is going to release on 28 September. Share picture on social media- On the occasion of Independence Day, he had posted some glimpses of the film on Instagram. Along with this, he wrote, 'Date Announcement: Dear Friends, your film The Vaccine War: A True Story will be released worldwide on the auspicious day of 28 September 2023. Please bless us.

Don't know where the decision makers in the censor board come from, I just act

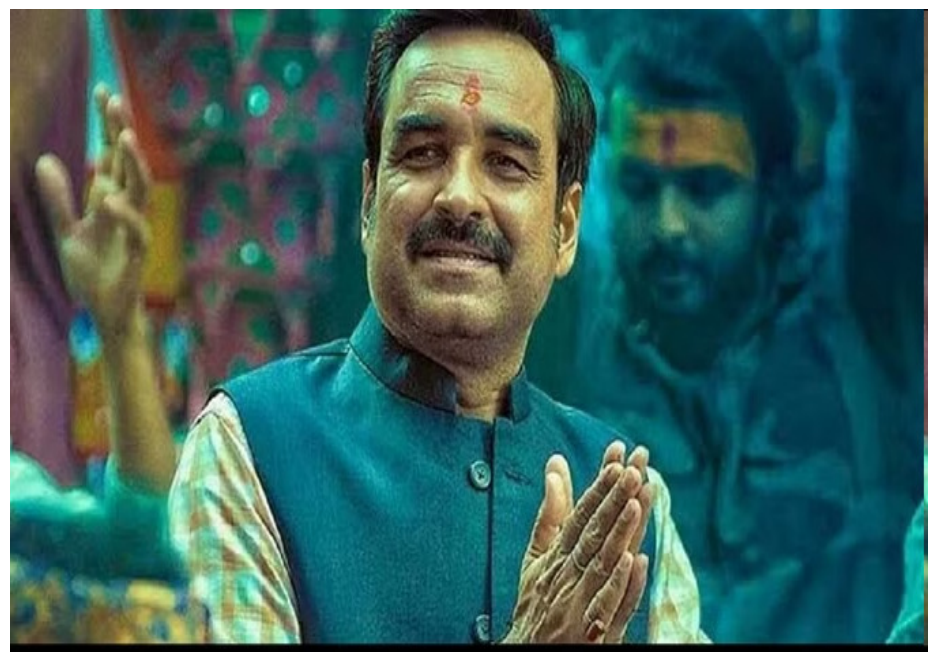

The film 'OMG 2' starring Akshay Kumar, Pankaj Tripathi and Yami Gautam, released along with the film 'Gadar 2', is very much liked by the audience. The business of the film has been growing steadily since the day of its release. Actor Pankaj Tripathi has only one regret regarding this film that if the film had not got 'A' certificate, it would have reached the teenagers also for whom this film has been made. Pankaj Tripathi had a special conversation with 'Amar Ujala' about this film. The objection raised by the censor board regarding 'OMG 2', somewhere the question arises that such persons should be kept in the censor board who have understanding of cinema. . Who can understand the cinema of the changed era. What do you have to say about this?From where and how the people who take such decisions are selected in the Censor Board. I don't know. I am an actor, I am limited to acting, I act and go home. Where will my film come, when will it be released, on which OTT will it come, I am not concerned with all this. Don't know who are the people in the censor board who decide. Yes, I was definitely disappointed when the film got an 'A' certificate. The subject of this film is for teenagers, so what if this film doesn't reach them? And, that is not in our hands. Paresh Rawal acted in 'OMG'. What was going through your mind when you were offered this film?Nothing, an important story. I felt that I should be a part of this film. Akshay sir is in the film, he has backup, he liked the story. I was fortunate that I got a chance to act in this film. What can be more important to me than this. See, the whole film rests on the shoulders of you and Yami Gautam, what would you like to say? Its full credit goes to the director of the film, Amit Rai. The story of 'OMG 2' has been written by Amit Rai in such a way that our characters are being liked. The script of the film is like a map for us, according to which we have to travel, there are directors to guide us. We have very little contribution in this. I have spoken the dialect of Malwa in my dialogues. For this, Vikram, a resident of Indore, became my coach. He stayed with me for a month and a half and taught me how to deliver which dialogues, so the credit goes to him. Today everyone is happy with the success of the film. What was the reaction of the family and the people of the village when you acted in plays in the village, especially as female characters? It is true that from the family background we come from, it is not considered good to play drama and play female characters. But our father did not say anything. He just said that do whatever you feel like doing. There has been no opposition to anything in my house so far. We grew up in a completely open environment. After NSD, you appeared in Abhishek Bachchan's film 'Run'. How was getting involved with that film?Not that I left any mark in that film. When people watch today's films, they remember that I had worked in such and such a film as well. I have reached here by doing one or two scenes in films. This is our journey of life, keep doing it and keep moving forward. It's a part of the job. Then I was in Delhi, a friend was introduced to the casting director, because of him I got a job in the film. After that you did Prakash Jha's film 'Apharan'. He is also from Bihar. Being from a state, there must be some convenience in getting work? There is no convenience in meeting anyone in the film industry. This is where your genius comes into play. And, at first even talent does not work because what talent will be shown in a scene of two to four minutes? There needs to be a well written character to showcase the talent. But your hard work and honesty is visible. I see that an artist is working hard on a small scene, then the director decides to keep another good shot and decide in the editing table whether to keep it or not. Because that person's passion towards work and how he behaves during the shooting, affects. You worked in Mani Ratnam's 'Raavan' and Priyadarshan's film 'Aakrosh'. Both the directors have a different thinking about cinema. How was the experience working with them?I learned a lot working with Priyadarshan and Mani Ratnam sir. Both are different schools, the way of thinking and working towards cinema is very different. I consider myself lucky to have lived with both of them in the South for three months each. Both of them love me very much, because both of them had noticed my dedication towards work and my hard work. I used to come on the set and sit quietly without moving. If there was no shot, he used to see what is the method of work? If this thing was done like this then why was it done? Without asking anyone, he used to question himself and himself used to find answers to those questions that this must have happened. I am lucky to have worked with different directors. People started recognizing you in Hindi cinema from Anurag Kashyap's film 'Gang of Wasseypur'. What was going through your mind when the role of Sultan Qureshi was offered to you in the film? At that time I was not in a position to think about doing films. Whatever work was available, he used to do it. At that time it was necessary to survive. Art is an afterthought. It is necessary to live first, then comes art. So whatever movies were offered to me I used to do it. One of your films 'Newton' kept on going till the Oscars. Want to share some memories related to this film? 'Newton' was a very good film, it won me a National Award. This film is very special to my heart. It was an off beat cinema and also a hit at the box office. Along with the National Award, being a small film, it did a big collection job. After this film, people in Mumbai started treating me as a commercial actor. People started to feel that such films go on and people also like to watch them. The film was released in three to four hundred screens and at that time had defeated one or two big films. After leaving TV, I entered films. Was tired of doing daily soaps on TV. Want to share some special memories related to 'Main Atal Hoon'? I have worked as hard in this film as I do in all my films. I think that when this film will come and people will see, then that hard work will be evaluated that how much that hard work has been worthwhile. I want to give 200 percent in every role according to my thinking and discretion. I have done the same in that also. That film is also a very special film for me.